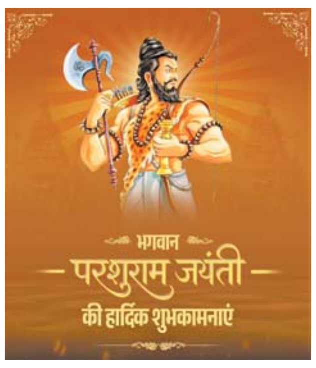

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 263/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 30 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सामूहिक विवाह सामाजिक सुधार का महत्वपूर्ण कदम है:मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने ग्राम दाउदखेड़ी में सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होकर 70 नवदम्पतियों को आशीर्वाद दिया

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देश/प्रदेश वासियों को परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री महाकाल महालोक कॉरिडोर की सौगात के बाद से उज्जैन ने विकास के नित नए आयाम स्थापित किए हैं।उज्जैन को धर्म और धार्मिक पर्यटन का मुख्य केन्द्र बनाया जा रहा है। धर्म ही समाज को एक सूत्र में पिरोता है। सामाजिक मूल्यों के अनुसार सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन समाज का अति महत्वपूर्ण भाग है।आज के समय में सामूहिक विवाह का आयोजन सामाजिक सुधार का महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह उद्बोधन दाउदखेड़ी में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में दिया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि विवाह का आयोजन सामूहिक रूप से करने से मितव्ययिता आती है और वैवाहिक कार्यक्रम के लिए अनावश्यक कर्ज का बोझ नहीं होता है।सामूहिक विवाह कार्यक्रम में वधू को राशि रूपये 49,000 एवं सामूहिक विवाह आयोजनकर्ता निकाय को प्रति कन्या के मान से राशि रूपये 6000 प्रदान की जाएगी।

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बाबा रामदेव का शाल श्री फल एवं भगवान श्री महाकाल की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया

परिणय सूत्र में बंधे 2205 जोड़े

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 6 जिलों के सामूहिक विवाह सम्मेलनों को वर्चुअली किया संबोधित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अक्षय तृतीया के अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन की बधाई दी। विभिन्न जिलों के सम्मेलनों में वीसी के माध्यम से शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अक्षय तृतीया है और इस दिन जो मिलता है वो हमेशा बढ़ता ही जाता है। जिसका कभी क्षय नहीं हो, वो अक्षय है। इस सुअवसर पर छिंदवाड़ा में 929, पन्ना में 915, आनंदधाम शिवपुरी में 80, इंदौर में 121, पंधानिया जिला धार में 80, ग्राम नयागांव जिला हरदा में 80 बेटियां विवाह के बंधन में बंधी हैं। सभी नवदंपतियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर एयरपोर्ट पर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं दी...

महिला सशक्तीकरण का रोल मॉडल अपना एमपी मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में मध्यप्रदेश में हो रहे प्रयासों को देश भर में सराहा जा रहा है। मध्यप्रदेश मॉडल को विभिन्न राज्यों ने अपनाया है, कई राज्य हमारी योजनाओं का अनुसरण कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ज्ञान के सशक्तीकरण का जो संकल्प लिया है, हमारी सरकार उसी के अनुरूप महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक संबल देने एवं नारी सशक्तीकरण के लिए हर कदम उठा रही है। प्रदेश में नारी शक्ति के कल्याण और विकास के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में 27 हजार 147 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्या विवाह/ निकाह योजना, महिलाओं को चुनाव और नौकरी में आरक्षण, महिलाओं के नाम पर संपत्ति खरीदने पर रजिस्ट्री शुल्क में छूट, आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण, उज्जवला योजना, संबल योजना जैसी अनेकानेक योजनाएं बहनों को मजबूत बना रही हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

देहरादून। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही 6 महीने तक चलने वाली चार धामयात्रा की शुरुआत हो गई। गंगोत्री के बाद

यमुनोत्री धाम के कपाट सुबह 1.55 बजे खोले गए। इससे पहले यमुना की उत्सव डोली यमुनोत्री धाम पहुंची। पूजा-अर्चना के बाद यमुनोत्री के कपाट खोले गए। गंगोत्री में 1 हजार से ज्यादा और यमुनोत्री में 3 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहले दिन दर्शन के लिए पहुंचे हैं। आज सुबह मां गंगा की डोली मुखबा से गंगोत्री धाम पहुंची। राजपूताना राइफल्स के बैंड की धुनों के बीच गंगा की पूजा-अर्चना की गई। हेलीकॉप्टर से मंदिर पर फूलों की बारिश की गई। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी गंगोत्री-यमुनोत्री धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। गंगोत्री-यमुनोत्री के बाद अब 2 मई को केदारनाथ और 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे।

सड़क परिवहन मंत्रालय टोल वसूलने वाली एजेंसियों की छुट्टी करने की तैयारी में

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय एक्सप्रेस-वे और नेशनल हाईवे पर टोल वसूलने वाली एजेंसियों की छुट्टी करने की तैयारी कर रहा है। मौजूदा समय देशभर में टोल वसूली का काम टोल एजेंसियां करती हैं। ये एजेंसियां स्थानीय स्तर पर कर्मचारियों को हायर कर लेती हैं और टोल वसूल करती हैं। टोल का शुल्क एनएचएआई और एक्सप्रेसवे

निर्माण कंपनी को देगी, जो शर्तों में तय होता है। मंत्रालय इस मॉडल पर बड़ा बदलाव करने जा रहा है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार देश में टोल बैरियर खत्म किए जाएंगे। इससे वाहन चालकों का समय बचेगा। हालांकि, पहले जीपीएस आधारित तकनीक से टोल वसूलने की तैयारी थी। लेकिन, अब इसमें बदलाव किया गया है। बगैर रुके टोल वसूलने के लिए एएनपीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकगनिशन) तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इस संबंध में बैंकों के साथ मीटिंग भी हो चुकी है और बैंक इस काम के लिए तैयार भी हो गए हैं। मंत्रालय इस मंथन में जुटा है कि टोल वसूली का बैंकों का मॉडल क्या होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसर देश के 1.5 लाख किलोमीटर लंबे नेशनल हाइवे और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क में से करीब 45,000 किलोमीटर पर टोल वसूला जा रहा है। देशभर में 1063 टोल प्लाजा हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार टोल वसूली का काम बैंकों को सौंपने का काम किए जाने की तैयारी है। इसके लिए कई सरकारी बैंकों के साथ मीटिंग हो चुकी है। बैंक एएनपीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकगनिशन) से टोल वसूली के लिए तैयार हो चुके हैं।

विस अध्यक्ष नरेन्द्र तोमर के बेटे की शादी में जुटी कई हस्तियां

जयपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे प्रबल प्रताप सिंह तोमर की जयपुर में मंगलवार रात शादी हुई। रात करीब साढ़े आठ बजे प्रबल प्रताप की बारात शाही अंदाज में जयपुर क्लब के सामने से जय महल पैलेस के लिए रवाना हुई। सिविल लाइंस स्थित जय महल पैलेस में रात को दूल्हे प्रबल प्रताप और दुल्हन भरतपुर की अरुंधति सिंह ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई। इस शादी में मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री और राजनेता शामिल हुए। कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी ने भी शादी समारोह में पहुंचे। स्टेज पर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे प्रबल प्रताप सिंह तोमर और भरतपुर की अरुंधति सिंह राजावत आए तो तालियों से पूरा ग्राउंड गूंज उठा। अरुंधति सिंह राजावत और प्रबल प्रताप सिंह की सगाई 21 अक्टूबर 2024 को आगरा के ताज होटल में हुई थी। अरुंधति सिंह राजावत, भरतपुर के भाजपा नेता ठाकुर भानु प्रताप सिंह राजावत की पोती हैं। अरुंधति सिंह राजावत एमबीए कर रही हैं। प्रबल प्रताप सिंह दिल्ली में लॉन टेनिस एसोसिएशन के उपाध्यक्ष हैं। प्रबल के प्री वेडिंग इवेंट, मेहंदी, हल्दी और संगीत सेरेमनी ग्वालियर में आयोजित हो चुकी है। ग्वालियर के मेला ग्राउंड पर 4 मई को रिसेप्शन होगा।

ये लोग हुए शामिल

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा, स्पीकर वासुदेव देवनानी, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, राजस्थान की डिप्टी सीएम दीया कुमारी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह पहुंचे। वेडिंग में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, बॉलीवुड सितारे अरबाज खान, अनिरुद्ध दवे, प्रीति झंगियानी शामिल हुए।

कोलकाता के होटल में आग लगी 15 जिंदा जले 22 लोगों को बचाया

कोलकाता। कोलकाता के फालपट्टी मछुआ इलाके में मंगलवार रात एक होटल में आग लगने से 15 लोग जिंदा जल गए और 13 लोग घायल हो गए। आग पर काबू पा लिया गया है। 22 लोगों को बचाया गया। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 2 महिलाएं और 1 बच्चा शामिल है। 12 पुरूष मृतकों में से 8 की पहचान कर ली गई है। पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा ने बताया- आग ऋतुराज होटल में रात करीब 8.15 बजे लगी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव का काम शुरू किया। अब तक 14 शव निकाले जा चुके हैं। हादसे की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई गई है। पता चला है कि होटल की चौथी मंजिल पर लगे बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी। घटनास्थल पर मौजूद एक शख्स ने बताया कि जान बचाने के लिए कई लोग होटल की छत और

खिड़कियों से कूदते नजर आए। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। पीएम ने कहा, लोगों की मौत की खबर से बहुत दुखी हूं। यही कामना है, घायल जल्द ठीक हों। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि दी जाएगी।

वरिष्ठ पत्रकार विजय दत्त श्रीधर को भगवान परशुराम अवार्ड से सम्मानित करते हुए गुफा मंदिर के महंत श्री राम प्रवेश दास महाराज सांसद आलोक शर्मा पंडित विष्णु राजोरिया कैलाश मिश्रा पंडित वैभव भटेले पूर्व पार्षद गिरीश शर्मा एवं अन्य नेता।

पीएम ने कैबिनेट सुरक्षा कमेटी की बैठक ली

पूर्व रॉ चीफ जोशी चेयरमैन बने, सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी बैठक सुबह तकरीबन 11 बजे शुरू हुई और कुछ महत्वपूर्ण फैसलों के साथ खत्म हो गई है। हालांकि इन फैसलों को सार्वजनिक नहीं की गई है। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए थे। सीसीएस की यह दूसरी मीटिंग है, पहली मीटिंग पहलगाम अटैक के अगले दिन 23 अप्रैल को हुई थी। सीसीएस की बैठक के तुरंत बाद कैबिनेट कमेटी ऑन पार्लियामेंट्री अफेयर्स की मीटिंग होगी।

इसके बाद आर्थिक मामलों की कमेटी और केंद्रीय कैबिनेट की बैठक

होगी। इस बीच सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। पूर्व रॉ चीफ आलोक जोशी को इसका चेयरमैन बनाया गया है। इससे पहले मंगलवार को पीएम मोदी ने तीनों सेना प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ डेढ़ घंटे हाई लेवल मीटिंग की थी।

पीएम मोदी ने सेनाओं को फ्री-हैंड दे दिया और कहा कि सेना ही आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय तय करे। यानीआतंकवाद को कुचल दे। आज ही पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीसीपीए की बैठक होनी है। इस कमेटी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन और यातायात मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू, एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी, शिपिंग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, महिला और बाल कल्याण मंत्री अन्नपूर्णा देवी, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजुजु और कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी शामिल हैं।

नव युवक सभा में सामूहिक रूप से 1008 बार गायत्री मंत्र का पाठ व हवन किया

संत हिरदाराम नगर। नव युवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम टी शाहानी कन्या उच्चतर विद्यालय सिंधु माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को सामूहिक रूप से 1008 बार गायत्री मंत्र का पाठ व हवन किया गया। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी ने कहा कि विद्यालय मे किए गए सामूहिक हवन से सुख समृद्धि और कामयाबी के द्वार खुलेंगे और विद्यार्थी अपनी बुरी आदतों को हवन कुंड की अग्नि मे जलाकर खत्म कर देंगे और अपने नए सत्र की शुरुवात नए उत्साह के साथ करेंगे। विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान द्वारा बताया गया कि हवन से जीवन मे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इस से सुख समृद्धि और कामयाबी के द्वार अपने आप खुलने लगते हैं और मन को आत्मिक शांति मिलती है हवन करने से कुंडली में बुरे ग्रहों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे जिंदगी में आ रही रुकावटें दूर हो जाती हैं इस अवसर पर सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धरमप्रकाश मोटवानी सहित कई उपस्थित थे।

मानसरोवर पब्लिक स्कूल में समर कैम्प 1 मई से

भोपाल। मानसरोवर पब्लिक स्कूल में एक माह का समर कैम्प 1 मई से शुरू हो रहा है। समर कैम्प में इस बार बच्चों के लिए रोबोटिक्स, एआई, स्विमिंग, स्पोर्ट्स, डांस, म्यूजिक के साथ ही मम्मियों के लिए भी योगा, जुम्बा, कुकिंग और मेहंदी की स्पेशल क्लास रखी गई हैं। समर कैम्प 31 मई तक जारी रहेगा जिसके रजिस्ट्रेशन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किए जा रहे हैं। मानसरोवर पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समर कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जिसमें रोबोटिक्स, एआई और थ्री डी प्रिंटिंग सहित आउटडोर स्पोर्ट्स में स्वीमिंग, बास्केटबॉल, फुटबॉल, इनडोर में चेस और कराटे, म्यूजिक में गिटार, कीबोर्ड, वेस्टर्न डांस और जुम्बा, आर्ट एंड क्राफ्ट, फायरलैस कुकिंग, कैलिग्राफी, क्विक कैलकुलेशन, एटिकेट्स एंड कम्यूनिकेशन क्लासेस की ट्रेनिंग दी जाएगी। वहीं बच्चों की मम्मियों के लिए भी योगा, कुकिंग और मेहंदी जैसी गतिविधियां कम दरों पर सिखाई जाएंगी। समर कैम्प संचालक मानसरोवर समूह की निदेशक दिशा तिवारी ने बताया कि सभी एक्टिविटी के लिए समर कैम्प के एडमिशन जारी हैं, पहले आओ पहले पाओ के आधार पर इन सभी गतिविधियों में एडमिशन लिए जा सकते हैं।

आयोध्या बायपास चौड़ीकरण का कार्य एक जून से शुरू होगा

836 करोड़ की लागत से 2 साल में होगा पूरा होगा चौड़ीकरण

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने निर्माण एजेंसी को दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

रत्नागिरी से आशाराम तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबे आयोध्या बायपास मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य एक जून से शुरू होगा। इस मार्ग की चौड़ीकरण की लागत 836 करोड़ रूपये है। इसे 2 वर्ष की समयावधि में पूरा किया जायेगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय निर्माण ऐजेंसी एनएचएआई के अधिकारियों और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारियों निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निर्माण के दौरान आने वाली किसी भी कठिनाई के निराकरण के लिये अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें। कठिनाई का तुरंत निराकरण किया जायेगा। इस कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए। जिसे 2 वर्ष की तय समय-सीमा में तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश का आदर्श रोड होगा। इसमें फ्लाई ओवर आदि का निर्माण भी शामिल है। एनएचएआई के इस प्रोजेक्ट के डारेक्टर देवांश नरवाल ने बताया कि आयोध्या बायपास चौड़ीकरण का कार्य तय समय-सीमा में पूरा होगा। इसमें सबसे पहले सर्विस रोड बनाई जायेगी। जिससे की यातायात बधित नहीं हो।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण के लिये भूमि अधिग्रहण के कार्य को अगले एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में , आयुक्त नगर निगम श्री हरेंद्र नारायण, प्रोजेक्ट डारेक्टर एनएचएआई श्री देवांश नरवाल, मैट्रो रेल भोपाल के महा प्रबंधक, लोक निर्माण विभाग, राजस्व और नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

कटने वाले पेड़ों के स्थान पर 4 गुना से अधिक पेड़ लगायेंगे

बैठक में बताया गया कि आयोध्या बायपास चौड़ीकरण में आने वाले पेड़ों को हटाया जायेगा। हटाये जाने वाले पेड़ों के स्थान पर हटाये गये पेड़ों की संख्या के 4 गुना से अधिक पेड़ लगाये जायेगें। प्रोजेक्ट डारेक्टर श्री नरवाल ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण में आने वाले विद्युत पोल और पाइप लाइन आदि को समय पर शिफ्ट किया जायेगा। बैठक में आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण, रत्नागिरी तिराहे पर मैट्रो रेल फ्लाई ओवर निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।

पद्मश्री सम्मान मुझे और अधिक मेहनत करने की शक्ति देता है: पं. मजूमदार

भोपाल। प्रसिद्ध बांसुरी वादक पंडित रोनू मजूमदार को भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया। यह सम्मान माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में प्रदान किया गया। पंडित रोनू मजूमदार ने यह पुरस्कार सम्पूर्ण भारत, अपने माता-पिता और गुरुओं को समर्पित किया। इस महत्वपूर्ण क्षण पर पद्म श्री जैसा प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए अत्यंत भावुक और सुखद क्षण है। मैं यह सम्मान समस्त भारतवर्ष को, उन सभी लोगों को जो संगीत की साधना करते हैं और जो इससे जुड़ने का सपना देखते हैं, को समर्पित करता हूं। मेरी माता, जिनकी आंखों में इस सम्मान की खबर सुनकर आंसू थे - यह सम्मान मैं अपनी मां के चरणों में अर्पित करता हूं। साथ ही, मैं यह सम्मान अपने गुरु भारत रत्न रवि शंकर जी, मेरे गुरु पंडित विजय राघव राव, और मेरे प्रथम गुरु एवं पिता, भानु मजूमदार जी,को समर्पित करता हूं से पुरस्कार प्राप्ति के बाद पंडित रोनू मजूमदार ने कहा। उन्होंने आगे कहा, मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित भाई शाह का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मेरे जीवन के 50 वर्षों के समर्पण को इस क्षेत्र में पहचान दी। मैंने यह उपलब्धि किसी उत्सव के रूप में नहीं मनाई क्योंकि पहलगाम की दुखद घटना ने हम सभी को गहरा शोक पहुंचाया है।

यह सम्मान पंडित रोनू मजूमदार के भारतीय शास्त्रीय संगीत, विशेषकर बांसुरी के क्षेत्र में उनके आजीवन योगदान का प्रमाण है। उन्हें महाराष्ट्र के उन 11 पद्म श्री पुरस्कार विजेताओं में शामिल किया गया जिनकी घोषणा भारत सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की थी। पद्म श्री सम्मान के प्रत्युत्तर में पंडित रोनू मजूमदार ने अपनी पत्नी आनंदी और पुत्रों सिद्धार्थ व ह्षिकेश का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने जीवन के कठिन क्षणों में उन्हें भावनात्मक संबल प्रदान किया। उन्होंने आगे कहा, यह पुरस्कार मेरे लिए एक टॉनिक के समान है जो मुझे और अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देता है, और मेरे संगीत साधना को आगे बढ़ाने की शक्ति देता है। यह मान्यता उनके एक ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद आई है जिसमें उन्होंने 546 संगीतकारों के साथ एक रचना का निर्देशन कर %सबसे बड़ा हिंदुस्तानी शास्त्रीय बैंड' बनाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया था।

पंडित रोनू मजूमदार एक सुप्रसिद्ध संगीतकार हैं, जिन्हें बांसुरी में उनकी निपुणता और भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा को सहेजने व नवाचार में योगदान के लिए जाना जाता है। वर्षों से उन्होंने कई पुरस्कार और सम्मान अर्जित किए हैं। उनके संगीत संयोजन, प्रस्तुति और वैश्विक सहयोग आज भी संगीत प्रेमियों को प्रेरित करते हैं। उनकी संगीत यात्रा को उनके पिता डॉ. भानु मजूमदार और प्रसिद्ध गुरु जैसे पं. लक्ष्मण प्रसाद जयपुरवाले तथा पं. विजय राघव राव जैसे महान व्यक्तित्वों ने आकार दिया है।

गायत्री मंदिर में अक्षय तृतीया पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन।

पांच नंबर परशुराम मंदिर में परशुराम जयंती पर पूजा अर्चना करते भक्त।

कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई में 125 आवेदन आए

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की निर्देशन में मंगलवार को एडीएम भूपेंद्र गोयल, प्रकाश नायक एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 125 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में एडीएम गोयल ने एक साथ फीस जमा करने में असमर्थ ईदगाह निवासी दीपक शिवलानी की पुत्री कक्षा-10वीं की टीसी दिलाई एवं फीस कम कराकर आगामी 3 माह में स्कूल को फीस किश्तों में जमा कराने के दिए निर्देश। स्कूल द्वारा मौके पर ही दी गई टीसी ताकि कक्षा-11वीं में आसानी से हो सके दाखिला। श्री दीपक शिवलानी ने बताया कि मेरे पुत्र/पुत्री कक्षा-5वीं एवं कक्षा-10वीं में खालसा हाई सेकेंडरी शाहजानाबाद, भोपाल में अध्ययनरत है। विगत सत्र में बच्चों की फीस जमा करने में असमर्थ रहा तो स्कूल वालों ने कक्षा-11वीं एवं अन्य स्कूल में एडमिशन के लिए टीसी नहीं दे रहे थे। मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन किया तो एडीएम भूपेन्द्र गोयल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए स्कूल से संपर्क कर फीस कम करने एवं किश्तों में राशि जमा करने के निर्देश दिए। स्कूल प्रतिनिधि द्वारा दसवीं के छात्र की टीसी दी गई एवं फीस भी कम कर आगामी माह की किश्त चैक के रूप में जमा कराने का निवेदन स्वीकार किया। एडीएम श्री गोयल, श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

माता पिता का सम्मान व विवेक भगवान परशुराम से सीखे तो जीवन के हर क्षेत्र में मिलेगी सफलता: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक योग केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। हजारों योग साधक अपनी योग साधना की निरंतरता से स्वयं स्वस्थ रहते हुए सेवा के कार्यों में लगे है। योग गुरु अग्रवाल नें भगवान परशुराम जयंती अक्षय तृतीया के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनायें देते हुए कहा कि दुर्गुणों को जीत कर हम मानव कहलायेंगे, अनुशासन ब्राह्मचर्य व तप से दुर्गुण नष्ट करें । वर्तमान समय में हम सब एकजुट होकर ऊर्जा का सही उपयोग करें एवं राष्ट्र की बुनियाद मजबूत करें योग प्राणायाम नियमित करें। योग गुरु अग्रवाल ने भगवान परशुराम जी के बारे में बताते हुए कहा कि धार्मिक ग्रंथो के अनुसार भगवान परशुराम का जन्म वैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया को भृगुवंशीय ऋषि जमदग्नि की पत्नी रेणुका के गर्भ से हुआ था।विष्णु के दस अवतारों में से छठे अवतार के रूप मे अवतरित इनका प्रारम्भिक नाम राम रखा गया, लेकिन अपने गुरू भगवान शिव से प्राप्त अमोघ दिव्य शस्त्र परशु (फरसा) को धारण करने के कारण यह परशुराम कहलाए। जन्म समय में छह ग्रह उच्च के होने से वे तेजस्वी, ओजस्वी, वर्चस्वी महापुरुष थे। प्राणी मात्र का हित ही उनका सर्वोपरि लक्ष्य था। न्याय के पक्षधर परशुराम जी दीन दुखियों, शोषितों और पीड़ितों की निरंतर सहायता और रक्षा करते थे। आखिर में परशुराम ने कश्यप ऋषि को पृथ्वी दान कर स्वयं महेन्द्र पर्वत पर निवास करने लगे। शास्त्रों के अनुसार ये चिरंजीवी हैं व आज भी जीवित व तपस्या में लीन हैं। परशुराम का सप्त चिरंजीवियों में स्थान है । दान करना - धार्मिक कथाओं के अनुसार भगवान परशुराम ने अश्वमेघ यज्ञ कर पूरी दुनिया को जीत लिया था, लेकिन उन्होंने सबकुछ दान कर दिया। हमें भगवान परशुराम से दान करना सीखना चाहिए। अपनी क्षमता के अनुसार दान अवश्य करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भी दान करने का बहुत अधिक महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि दान करने से उसका कई गुना फल मिलता है। न्याय करना - भगवान परशुराम ने न्याय करने के लिए सहस्त्रार्जुन और उसके वंश का नाश कर दिया था। धार्मिक कथाओं के अनुसार भगवान परशुराम का मानना था कि न्याय करना बहुत जरूरी है। इसलिए उन्हें न्याय का देवता भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं में इस बात का वर्णन भी है कि भगवान परशुराम सहस्त्रार्जुन और उसके वंश का नाश नहीं करना चाहते थे, परंतु उन्होंने न्याय के लिए ऐसा किया। भगवान परशुराम के लिए न्याय सबसे ऊपर था। हमें भी जीवन में न्याय करना चाहिए। माता-पिता का सम्मान - भगवान परशुराम ने हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान किया और उन्हें भगवान के समान ही माना। माता-पिता के हर आदेश का पालन भगवान परशुराम ने किया। हमें भी जीवन में हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान और उनकी हर आज्ञा का पालन करना चाहिए। जो व्यक्ति माता-पिता का सम्मान करते हैं, भगवान भी उनसे प्रसन्न रहते हैं।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने सौंपा सीएम को ज्ञापन, विस्थापितों को प्रापर्टी मालिकाना देने की मांग

महाराष्ट्र की तरह मध्यप्रदेश में भी सिंधियों को मिले प्रापर्टी की फ्री होल्ड ओनरशिप

संत हिरदाराम नगर। मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र सरकार ने पूरे प्रदेश में जहां भी सिंधी परिवार बसें हुए हैं, 70 साल पूर्व जिस समय वहां रहने आए थे, के दौरान मात्र ढाई प्रतिशत रेडी रेकनर पर फ्री होल्ड करके प्रापर्टी देने का निर्णय लिया है इससे महाराष्ट्र में निवास करने वाले 5 लाख आवासीय एवं दो लाख व्यवसायिक व्यक्तियों को प्रापर्टी का लाभ मिलेगा। यह निर्णय महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नीस ने केबिनेट की बैठक के बाद लिया है तथा यह काम 20 अप्रैल से प्रारंभ कर दिया गया है जिससे आजादी के बाद 70 सालों से चली आ रही सिंधी हिन्दु विस्थापित परिवारों की समस्या का समाधान हो जाएगा। संत हिरदाराम नगर की सामाजिक संस्था सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी ने महाराष्ट्र की तरह मध्यप्रदेश के सिंधियों को भी प्रापर्टी की फ्री होल्ड ओनरशिप देने की मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को ज्ञापन भी प्रस्तुत किया गया।

क्या है समस्या: सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं महासचिव सुरेश जसवानी ने बताया कि दरअसल मध्यप्रदेश की तरह ही महाराष्ट्र में भी 15 अगस्त 1947 को भारत विभाजन के बाद जो सिंधी हिन्दु अपनी जन्म स्थली सिंध प्रदेश छोड़कर आए थे, उन्हें क्लेम में मकान व दुकाने एवं जमीने तो दी गई लेकिन उसका मालिकाना हक से आज तक वे वंचित थे। इस कारण सिंधी विस्थापित परिवारों को अपनी सम्पति की खरीद फरोख्त, निर्माण आदि में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था लेकिन अब महाराष्ट्र के किसी भी इलाके में निवास करने वाले प्रत्येक सिंधी परिवार फिर चाहे वह आवासीय इलाका हो या व्यवसायिक का मालिकाना हक संबंधी कागजात मिल जाएंगे वह भी उस समय के केवल ढाई प्रतिशत रेडी रेकनर के हिसाब से।

अब निगाहें मध्यप्रदेश पर: सुरेश जसवानी ने कहा है कि जिस तरह से महाराष्ट्र सरकार ने वहां के सिंधी हिन्दुओं की चली आ रही 70 साल प्रापर्टी के मालिकाना हक की मांग को पूरा किया है, उसी तरह की समस्या मध्यप्रदेश में भी चली आ रही है यहां भी लोग अपने मकानों दुकानों पर काबिज हैं लेकिन उनमें से अधिकांश के पास प्रापर्टी के कागजात नहीं है, ऐसे में प्रापर्टी की खरीद फरोख्त एवं निर्माण कार्य में दिक्कतें आ रही हैं। इसलिए महाराष्ट्र की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी प्रापर्टी फ्री होल्ड ओनरशिप देने की सख्त जरूरत है।

नहीं हो रहा लीज नवीनीकरण

चन्द्रप्रकाश इसरानी एवं सुरेश जसवानी ने कहा है कि संत हिरदाराम नगर के वन ट्री हिल्स कालोनी में निवास करने वाले 500 विस्थापितों की लीज जो 2018 में खत्म हो चुकी है, उसका नवीनीकरण रजिस्ट्री एवं लीज के आधार पर किए जाने की जरूरत है, क्योंकि इसके अभाव में बैंक से लोन नहीं मिल रहा है साथ ही अपनी ही प्रापर्टी की खरीद फरोख्त में दिक्कतें आ रही हैं। इधर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने रविवार को सिंधु भवन पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को ज्ञापन प्रस्तुत कर संत हिरदाराम नगर सहित मध्यप्रदेश सिंधी विस्थापितों को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक दिलाने एवं वन ट्री हिल्स के भूखण्ड स्वामियों की लीज का नवीनीकरण पृथक पृथक करने का आग्रह किया। चंद्रप्रकाश इसरानी और सुरेश जसवानी ने कहा है कि डा. मोहन यादव संवेदनशील मुख्यमंत्री हैं वे सिंधी समाज की प्रापर्टी संबंधित समस्यायों का जरूर समाधान करेंगे।

सांध्यप्रकाश विशेष

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दुरुपयोग करती देशद्रोही शक्तियां

त्वरित टिप्पणी
जी. के. छिब्बर

संभल के रहना है देश में छिपे हुए गद्दारों से

आज हमारे देश के गद्दारों को पहचानना है तो पाकिस्तान के टीवी चैनल की सुर्खियों पर नजर डाल सकते है देशद्रोही यू ट्यूब चैनल के एजेंडे को देख सकते है जो भारत के विरोध का आधार बने हुवे है कुछ नेता और देश विरोधी तत्व भारत के प्रधानमंत्री की आलोचना करते करते देश विरोध पर उतर आए हैं आतंकवाद के बचाव में उतर आए यह देशद्रोही वही भाषा बोल रहे है जो पाकिस्तान के नेता और मीडिया बोल रहे है बोलते आ रहे है कांग्रेस के कुछ नेताओं के ब्यान चिंताजनक है वोट बैंक की राजनीति में देश को भी दाव पर लगा रहे हैं देश को प्रधानमंत्री को कमजोर दिखाने की कोशिश लगे हैं जो की शर्मनाक ही कहा जा सकता है आज जब देश के दुश्मनों को सबक सिखाने का समय है देश को एकजुट रखने का समय है उस वक्त कुछ नेता बाहरी शक्तियों के हाथो में खेल रहे है प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने में तत्पर है यह लोग देश के साथ खिलवाड़ कर रहे भारत माता को धोखा दे रहे हैं देश से गोरे अंग्रेज 1947 को भारत छोड़ कर चले गए परंतु कुछ काले अंग्रेज रह गए हैं वही आज राष्ट्र को तोड़ने पर अमादा है इन पर जनता की गहरी नज़र होना चाहिए ।

यह कहा गया है कि जो व्यक्ति अपनी मातृभूमि को अधर में छोड़कर दूसरो की सेवा में लग जाता है उस जैसा नीच पापी कोई नहीं हो सकता। आज हम देश की सीमा की रक्षा करने में सक्षम है परन्तु देश में छिपे हुवे गद्दारों को पहचानना जरूरी हो गया है जो अब दिखाए दे रहे हैं और दीमक की तरह देश को खोखला करने की कोशिश में है परंतु अब इनका अंत निश्चित है।

महिला आयोग ने संभाला मोर्चा

लव जिहाद मामले में नया खुलासा, पांचवीं पीड़िता आई सामने

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल के एक निजी कॉलेज की छात्राओं से रेप, ब्लैकमेलिंग और लव जिहाद की वारदात ने मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस सनसनीखेज मामले में अब तक पांच छात्राएं सामने आ चुकी हैं, जिन्होंने आरोपियों पर रेप, वीडियो बनाकर धमकाने और सहेलियों से दोस्ती करवाने के दबाव के गंभीर आरोप लगाए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एक तीन सदस्यीय टीम गठित की है, जिसकी अध्यक्षता झारखंड की पूर्व डीजीपी निर्मला कौर करेंगी। यह टीम पीड़िताओं से मिलकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी और इसे आयोग के सामने पेश करेगी। मंगलवार को इस केस में एक और पीड़िता सामने आई। वह अपने परिजनों के साथ बागसेवनिया थाने पहुंची, जहां पुलिस ने उसकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने बताया कि इस पीड़िता का वीडियो आरोपी फरहान के मोबाइल से मिला था।

डिजिटल सबूतों से मिली जानकारी

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल से 7 छात्राओं के 12 से अधिक आपत्तिजनक वीडियो बरामद हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि पीड़िताओं की संख्या और बढ़ सकती है। पुलिस का अनुमान है कि कम से कम दो और लड़कियां जल्द सामने आ सकती हैं। 25 अप्रैल को भोपाल पुलिस ने गैंग के सरगना फरहान अली उर्फ फराज को गिरफ्तार किया। उसके साथ दो अन्य आरोपी भी पकड़े गए, जबकि चौथे आरोपी अली खान को 29 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। इन सभी पर बलात्कार, ब्लैकमेलिंग और आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

अलग-अलग थानों में केस

भोपाल के बागसेवनिया, हबीबगंज और तलैया थानों में एफआईआर दर्ज की गई हैं। सभी आरोपी मुस्लिम समुदाय से हैं, जबकि सभी पीड़िताएं हिंदू हैं। इस एंगल ने मामले को सांप्रदायिक और सामाजिक तौर पर बेहद संवेदनशील बना दिया है।

मुख्य आरोपी फरहान और अली की गिरफ्तारी: मुख्य आरोपी फरहान अली और अली खान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने स्पॉट वेरिफिकेशन भी किया है। इस दौरान आरोपी अली के पास से मारपीट में प्रयुक्त कपड़े और अन्य वस्तुएं बरामद की गईं। फरहान की बाइक पहले ही जब्त की जा चुकी है, अब अली की बाइक की जब्ती की तैयारी है।

आरोपी के परिवार संदेह के घेरे में

जांच में सामने आया है कि एक घटना आरोपी फरहान के घर में ही हुई, जिसकी जानकारी उसकी बहन को थी। वहीं, जून 2024 में अली ने नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म किया, जब उसका भाई और मां घर में ही मौजूद थे। अब पुलिस इन परिवारजनों की भूमिका की भी जांच करेगी।

कैसे अंजाम दी जाती थी वारदात?

मामले की जांच कर रही पुलिस को अब तक की पूछताछ में पता चला है कि यह पूरा मामला अजमेर गैंगरेप केस जैसा है। छात्राओं को प्रेम जाल में फंसाकर उनके साथ अवैध संबंध बनाए जाते थे, फिर उनका अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें डराया-धमकाया जाता था।

सहेलियों से भी करवाते थे दोस्ती

इतना ही नहीं, पीड़िताओं पर दबाव डाला जाता था कि वे अपनी सहेलियों से भी इन आरोपियों की दोस्ती करवाएं और उन्हें भी इसी जाल में फंसाया जाए। यह तरीका एक सुनियोजित गैंग की सोच को उजागर करता है।

कांग्रेस ने उठाया कानून व्यवस्था पर सवाल

कांग्रेस पार्टी ने इस मामले को लेकर सरकार की कानून व्यवस्था को निशाने पर लिया है। कांग्रेस प्रवक्ताओं का कहना है कि यदि पुलिस समय पर कार्रवाई करती, तो पीड़िताओं की संख्या इतनी नहीं बढ़ती। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक, इस केस को लेकर भारी जनाक्रोश देखा जा रहा है। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर किसकी छत्रछाया में ये गैंग कॉलेजों में इतनी बड़ी साजिश को अंजाम दे रहे थे।

प्रदेश में 2000 मेगावाट सौर पार्क व 1000 मेगावाट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि परिषद के निर्णय

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों / परिवार पेशनरों को देय महंगाई भत्ते एवं मंहगाई राहत की दर में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। महगाई भत्ता एवं मंहगाई राहत की स्वीकृति के फलस्वरूप एरियर राशि सहित राज्य शासन पर कुल व्यय भार 3500 करोड़ रूपये अनुमानित है।

मंत्रि-परिषद की बैठक राज्य शासन के सातवें वेतनमान प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को 1 जुलाई, 2024 से 3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 53 प्रतिशत एवं 1 जनवरी, 2025 से 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 55 प्रतिशत के मान से महंगाई भत्ता में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। छठवें वेतनमान के कार्मिकों एव निगम / मंडल / उपक्रम के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर राज्य शासन में कार्यरत पांचवें एवं चौथे वेतनमान अंतर्गत कार्मिकों को समानुपातिक आधार पर मंहगाई भत्ता में वृद्धि के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया। 1 जुलाई, 2024 से 30 अप्रैल, 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून 2025 से अक्टूबर 2025 तक पांच किश्तों में किया जाएगा। प्रथम किश्त भुगतान माह जून, 2025 ,द्वितीय किश्त भुगतान माह जुलाई, 2025, तृतीय किश्त भुगतान माह अगस्त, 2025, चतुर्थ किश्त भुगतान माह सितम्बर, 2025, पांचवी किश्त भुगतान माह अक्टूबर, 2025 में किया जायेगा। 1 जनवरी, 2024 से 30 सितम्बर, 2024 की अवधि में सेवानिवृत / मृत शासकीय सेवकों के संबंध में उन्हें/नामांकित सदस्य को एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किये जाने का निर्णय लिया गया। राज्य शासन के पेंशनर्स/परिवार पेंशनर्स को दिनाक 1 मार्च 2025 से सातवें वेतनमान अंतर्गत 53 प्रतिशत एवं छठवे वेतनमान अतंर्गत 246 प्रतिशत पेंशन राहत स्वीकृत करते हुये छत्तीसगढ़ शासन के पत्र दिनांक 12 मार्च 2025 पर सहमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश की बिजली मांग की अवधि एक दूसरे की पूरक होने के कारण मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में पूरक आधार पर विद्युत प्रदाय के लिए मध्य प्रदेश में 2000 मेगावाट सौर पार्क व 1000 मेगावाट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना से दोनों राज्यों को पृथक-पृथक छः महीनों के लिए बिजली उपलब्ध होगी।कृषि क्षेत्र में होने वाली विद्युत खपत, मध्यप्रदेश की विद्युत खपत का लगभग 41त्न भाग है। मध्यप्रदेश की जलवायु अनुरूप रबी फसलों के लिए माह अक्टूबर से मार्च के मध्य, कृषि क्षेत्र में सर्वाधिक विद्युत की मांग रहती है।

एकीकृत पेंशन योजना के लिए समिति गठित

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी.एस) लागू करने के संबंध में एक समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल अध्यक्ष, प्रमुख सचिव श्री मनीष रस्तोगी, सचिव लोकेश कुमार जाटव, संचालक बजट तन्वी सुन्द्रियाल, उप सचिव अजय कटेसरिया, सदस्य होंगें। संचालक पेंशन म.प्र. जे.के. शर्मा, को सदस्य सचिव बनाया गया है।

स्थानांतरण नीति स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों/ कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति वर्ष 2025 की स्वीकृति दी गयी है। इस नीति में 1 मई से 30 मई तक की अवधि के लिए स्थानांतरण पर प्रतिबंध शिथिल किया गया है। प्रत्येक पद/संवर्ग में वर्ष में प्रशासनिक एवं स्वैच्छिक स्थानांतरण निर्धारित संख्या तक किए जा सकेंगे। पद/संवर्ग की संख्या 200 तक 20 प्रतिशत, 201 से 1000 तक 15 प्रतिशत, 1001 से 2000 तक 10 प्रतिशत, 2001 से अधिक 5 प्रतिशत के आधार पर स्थानांतरण किये जायेंगे।

स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती का कार्य शीघ्रता से करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य, सामान्य प्रशासन विभाग और कर्मचारी चयन मंडल के अधिकारियों के साथ की बैठक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती का कार्य एक निश्चित समय-सीमा का निर्धारण कर शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने वर्तमान में चल रही भर्ती प्रक्रिया की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंगलवार को मंत्रालय में यह निर्देश स्वास्थ्य, सामान्य प्रशासन विभाग और कर्मचारी चयन मण्डल के अधिकारियों की बैठक में दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता होने पर नियमों में आवश्यक संशोधन करने और प्रक्रिया को सरल करने के संबंध में भी प्रस्ताव तैयार करें। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मियों को और सुविधा दिये जाने, विभाग के चतुर्थ श्रेणी अस्पताल सहायक के 1200 रिक्त पदों की पूर्ति के लिये परीक्षा प्रारूप और पाठ्यक्रम निर्धारण करने के भी निर्देश दिये गये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैठक में कहा कि 24 घंटे सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनके हित में बनने वाले प्रस्तावों को गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर की जाये। स्वास्थ्य कर्मियों की बेहतरी के लिये प्रस्ताव तैयार करे। उप मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर करने तथा कर्मचारियों के ग्रेड-पे और एनएचएम कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समतुल्य सुविधाएं देने आदि पर विचार करने को कहा। बैठक में आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, संचालक मलिका निगम नागर, संचालक कर्मचारी चयन मण्डल संकेत मालवीय और सचिव सामान्य प्रशासन विभाग अनिल सुचारी भी मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम जयंती पर दी शुभकामनाएं

तप, त्याग और पराक्रम के प्रतीक भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी की जयंती के अवसर पर मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। हम सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में न्याय, सद्भावना और सेवा का भाव बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

दादाजी धाम मंदिर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर में भगवान विष्णु के छठवां अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर में प्रातः 10 बजे से भगवान भोलेनाथ के पूजन के बाद में भगवान परशुराम का ब्राह्मणों द्वारा पूजन किया गया। जिसमें रमेश कुमार तिवारी, पंडित राजेंद्र पलिया, अन्य पंडित एवं श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव धनंजय बोरकर, कोषाध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव, ट्रस्टी मनोज मोहन नामदेव, जीवन नामदेव, मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य, हर्ष, ओ. पी. राजपूत, मुस्कान सोनकिया, कुमकुम सोनकिया एवं भक्तों ने अभिषेक पूजन हवन आरती की। भोग में भगवान को सत्तू एवं पना का भोग लगाया गया। पूजन के पश्चात भक्तों ने पना एवं सत्तू का प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर भगवान के दर्शन के लिए मंदिर के पट खुले रहें।

30 अप्रैल को बिजली बिल भुगतान केंद्र खुलेंगे

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 30 अप्रैल (परशुराम जयंती) को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। भोपाल शहर वृत्त के अंतर्गत चारों शहर संभाग यथा पश्चिम, पूर्व, दक्षिण तथा उत्तर संभाग के अंतर्गत सभी जोनल कार्यालय और दानिश नगर, मिसरोद, मण्डीदीप में बिल भुगतान केन्द्र उक्त अवकाश के दिन भी सामान्य कार्य दिवस की तरह खुले रहेंगे। बिजली उपभोक्ताओं से अपील है कि वे राजधानी के जोनल आफिस में पीओएस मशीन से कैश के जरिए बिल भुगतान तथा ऑनलाइन माध्यम से भी बिल भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है।

कॉलेज परिसरों में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों के विरोध में एबीवीपी ने किया प्रदर्शन

निजी महाविद्यालय में छात्राओं से दुष्कर्म का मामला, छात्राओं की सुरक्षा हेतु कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) भोपाल महानगर द्वारा आज जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें शहर के निजी एवं शासकीय महाविद्यालय परिसरों में बढ़ती लव जिहाद, धर्मांतरण एवं असामाजिक गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। परिषद ने छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा शिक्षा के पवित्र वातावरण को बनाए रखने हेतु कड़े कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि भोपाल के टीआईटी, एमएलबी, एमवीएम, हमीदिया, गीतांजलि सहित अनेक महाविद्यालय परिसरों में बाहरी तत्वों की अनियंत्रित आवाजाही, नशे के अड्डों की बढ़ती संख्या एवं पुलिस सुरक्षा की कमी के कारण छात्राओं में भय और असुरक्षा का वातावरण व्याप्त हो गया है। जिला कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों को निर्देशित कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। परिषद ने चेताया कि यदि प्रशासन शीघ्र कदम नहीं उठाता तो आंदोलनात्मक मार्ग अपनाया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के महानगर मंत्री शिवम जाट ने कहा महाविद्यालय शिक्षा का मंदिर है, जहां किसी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। परिषद मांग करती है कि लव जिहाद करने वाले दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो तथा परिसर में छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बने। एबीवीपी छात्राओं के हितों की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है।

प्रांत छात्रा प्रमुख बबली शर्मा ने कहा कि समाज में रहकर हिंदू बहन-बेटियों को लक्षित कर लव जिहाद जैसी घटनाओं को अंजाम देने वालों को फंसी की सजा मिलनी चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति भविष्य में ऐसी हरकत करने की हिम्मत न कर सके। महानगर सह मंत्री आरती ठाकुर ने कहाछात्राओं को एक सुरक्षित और स्वतंत्र वातावरण मिलना चाहिए। महाविद्यालय परिसरों के आसपास नशीले पदार्थों की दुकानों को हटाया जाए तथा नियमित महिला पुलिस बल की तैनाती की जाए। एबीवीपी यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी अंत में एबीवीपी ने प्रशासन से शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए चेताया कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो विद्यार्थी परिषद आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होगी।

एबीवीपी की मांग

- बिना वैध पहचान पत्र के कॉलेज परिसरों में प्रवेश पर रोक।
- कॉलेज परिसरों के 500 मीटर के दायरे में शराब व नशे के उत्पादों की दुकानों पर प्रतिबंध।
- छात्रावासों में नियमित औचक निरीक्षण कर नशीले पदार्थों के सेवन पर रोक।
- लव जिहाद जैसी घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष पुलिस टीमों का गठन।
- छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण व सतर्कता कार्यशालाओं का आयोजन।
- शैक्षणिक परिसरों में धार्मिक भेदभाव एवं प्रचार-प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध।
- सभी महाविद्यालय परिसरों से अतिक्रमण हटाया जाए।
- महिला कॉलेजों के पास स्थित शराब दुकानों को तत्काल हटाया जाए।
- गीतांजलि कॉलेज सहित अन्य महाविद्यालयों में महिला पुलिस बल की तैनाती।
- छात्राओं के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर की स्थापना और प्रचार।
- सभी कॉलेजों में शिकायत कमेटभ का गठन जिसमें छात्र प्रतिनिधि, महिला प्रोफेसर और महिला पुलिस अधिकारी अनिवार्य रूप से शामिल हों।

संपादकीय

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की गोलीबारी से उकसावे की चाल

पहलगाम हमले के बाद जिस तरह भारत में आक्रोश है और सरकार पर कोई बड़ी कार्रवाई करने का जन-दबाव बन रहा है, उसे देखते हुए पाकिस्तान में घबराहट है। उसने घटना के बाद सीमा पर हवाई गश्ती और चौकियों पर सैनिक दस्ते बढ़ा दिए। हालांकि वह लगातार कह रहा है कि उस हमले में उसका कोई हाथ नहीं था, उसकी जांच की पेशकश भी कर रहा है, पर वहां की सेना जिस तरह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है, उससे जाहिर है कि वह भारतीय सैनिकों को उकसाने की कोशिश कर रही है। पहलगाम हमले के बाद से वह चार बार गोलीबारी कर चुकी है। हालांकि आमतौर पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की जाती है, तो उसका यही मतलब होता है कि दुश्मन देश सीमा पर अपने सैनिकों की मुस्तैदी का संकेत दे रहा है। बताने का प्रयास कर रहा है कि वह किसी भी तरह की चुनौती से निपटने को तैयार है। मगर पाकिस्तानी सेना साजिशन ऐसा करती है। अक्सर वह अपने प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने के मकसद से इस तरह गोलीबारी करती है। इस तरह वह अनेक बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर चुकी है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। यह छिपी बात भी नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मुख्य रूप से पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजंसी का हाथ है। इसके अनेक प्रमाण मौजूद हैं। भारत सरकार अनेक आतंकी हमलों से जुड़े प्रमाण पाकिस्तान सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सौंप चुकी है। मगर पाकिस्तान हर दस्तावेज को सिरे से खारिज करता रहा है। वह खुद दहशतगर्दी के गहरे जख्म झेल चुका है, पर इस पर नकेल इसलिए नहीं कस पाता कि वहां निर्णय करने का कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं है। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत के ऊपर अपना वर्चस्व बना लिया है। इसलिए सरकार के स्तर पर लिया गया कोई भी निर्णय सेना अपनी मर्जी से स्वीकार या अस्वीकार करती है। दरअसल, आतंकवाद को वहां की सेना ने अपना हथियार बना लिया है और उसका इस्तेमाल वह मुख्य रूप से भारत के खिलाफ करती रही है। ऐसा लगता है कि इसी से उसका वजूद बचा और बना हुआ है। वह भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां चला कर उकसाने और सीमा पर तनाव बनाए रख कर पाकिस्तानी अवाम को बरगलाने में कामयाब होती रही है। आतंकवाद और भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्ते पाकिस्तान सरकार को भी रास आते हैं। इस तरह वह बुनियादी समस्याओं की तरफ से वहां के लोगों का ध्यान भटकाने में कामयाब हो जाती है। पाकिस्तान पूरी तरह से विफल राष्ट्र है। उसकी माली हालत निहायत खस्ता हो चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दुर्दशा झेल रही हैं। लोगों को दो जून की रोटी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है।

शस्त्र प्रतीक है नियंत्रण का, शास्त्र प्रतिनिधि है सृजन का। शस्त्र से ध्वनित होती है शक्ति तथा शास्त्र में प्रतिबिम्बित होती है शांति। परशु से झलकता है पुरूषार्थ और राम के मायने है परमार्थ। अर्थात पुरूषार्थ के प्रवाह से और परमार्थ के निर्वाह का नाम है 'परशुराम'। भगवान परशुराम का अवतरण ऐसे समय में हुआ जब पृथ्वी पर निरंकुश, अत्याचारी राजाओं से प्रजा दुखी थी। मंदाध राजा सहस्त्रबाहु ने परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि के आश्रम को तहस-नहस कर दिया एवं वह उनकी कामधेनु गाय को छीनकर ले गया। परशुराम एवं सहस्त्रबाहु के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें परशुराम जी ने सहस्त्रबाहु का वध कर दिया। एक दिन भगवान परशुराम जी की गैर मौजूदगी में सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने महर्षि जमदग्नि की हत्या कर दी।

पराक्रम और पुरुषार्थ के पर्याय भगवान परशुराम

सुरेश पचौरी

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु के दस प्रधान अवतार हुऐ हैं। भगवान परशुराम इनमें से छटे अवतार माने जाते हैं। भृगुवंश को यह गौरव प्राप्त है कि इस वंश में ईश्वर का अवतार हुआ। ईश्वर का यही एक अवतार है जो ऋषिकुल में हुआ। वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि (अक्षय तृतीया) के दिन महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के यहां भगवान परशुराम का जन्म हुआ। भगवान परशुराम सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। उनकी पितृ भक्ति सर्वविदित है। भगवान परशुराम का जीवन वृत्त एक ऐसे युग पुरुष की शौर्य गाथा है जिसने अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सतत् संघर्ष कर न्याय, नीति और धर्म का शासन स्थापित किया।

महर्षि जमदग्नि ने परशुराम जी को वेदों का अध्ययन कराया। कश्यप ऋषि ने उन्हें मंत्र दीक्षा दी। उन्होंने कैलाश पर्वत पर जाकर भगवान शिव की अराधना की। परशुराम के कठोर तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें समस्त दिव्यास्त्र प्रदान किये, उनमें परशु (फरशा) प्रमुख था। परशु धारण करने के कारण उनका नाम परशुराम पड़ा। शास्त्र प्रमाण के अनुसार भगवान परशुराम ने प्रभु श्री राम को दिव्य धनुष प्रदान किया जिससे उन्होंने रावण का वध किया। उन्होंने श्री कृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान किया। भगवान बुद्ध को परम ज्ञान भी भगवान परशुराम की तपोस्थली गया जी में प्राप्त हुआ। भविष्य में कलियुग में धर्म की स्थापना तथा अत्याचारियों के विनाश के लिए ''कल्कि अवतार'' होगा जिन्हें शस्त्र एवं शास्त्र की दीक्षा भगवान परशुराम ही देंगे। महाभारत में इस बात का उल्लेख है कि भीष्म पितामह, गुरूद्रोण तथा कर्ण को शस्त्र विद्या का ज्ञान भगवान परशुराम ने ही दिया था।

भगवान परशुराम पंचमहावीर के नाम से भी विख्यात हैं। पराक्रम महावीर, दयावीर, दानवीर धर्मवीर एवं विदयावीर। गोस्वामी तुलसीदास ने रामायण में भगवान राम और परशुराम के संवाद का वर्णन करते हुए लिखा है -

''नाथ शंभु धनु भंजन हारा, हुई है कोऊ एक दास तुम्हारा''।

अर्थात भगवान श्री राम ने स्वंय परशुराम जी को अपने पूज्य की संज्ञा प्रदान की।

परशु प्रतीक है पराक्रम का, और राम पर्याय हैं सत्य, सनातन के। अतः परशुराम का अर्थ हुआ पराक्रम के कारक और सत्य के धारक। शस्त्र प्रतीक है नियंत्रण का, शास्त्र प्रतिनिधि है सृजन का। शस्त्र से ध्वनित होती है शक्ति तथा शास्त्र में प्रतिबिम्बित होती है शांति। परशु से झलकता है पुरूषार्थ और राम के मायने है परमार्थ। अर्थात पुरूषार्थ के प्रवाह से और परमार्थ के निर्वाह का नाम है ''परशुराम''।

भगवान परशुराम का अवतरण ऐसे समय में हुआ जब पृथ्वी पर निरंकुश, अत्याचारी राजाओं से प्रजा दुखी थी। मंदाध राजा सहस्त्रबाहु ने परशुराम जी के पिता महर्षि

जमदग्नि के आश्रम को तहस-नहस कर दिया एवं वह उनकी कामधेनु गाय को छीनकर ले गया। परशुराम एवं सहस्त्रबाहु के बीच भीषण युद्ध हुआ, जिसमें परशुराम जी ने सहस्त्रबाहु का वध कर दिया। एक दिन भगवान परशुराम जी की गैर मौजूदगी में सहस्त्रबाहु के पुत्रों ने महर्षि जमदग्नि की हत्या कर दी। मां की आर्तत पुकार सुनकर परशुराम जी ने आततायियों के संहार का संकल्प लिया तथा सहस्त्रार्जुन के पुत्रों सहित उन सभी राजाओं का वध कर दिया जो अन्यायी निरंकुश तथा राजधर्म से विमुख थे। भगवान परशुराम ने केवल उन्हीं राजाओं को दण्डित किया जिनके राज्य में न तो विद्या की सेवा थी, न ही तप का सम्मान था, और न ही सत्य का शासन था। इन दुराचारी राजाओं का संहार कर उन्होंने इनके स्थान पर योग्य, सदाचारी एवं धर्मानुकुल शासन करने वालों को बैठाकर पृथ्वी पर शांति और विधि व्यवस्था कायम की।

कई बार इतिहास और लोक गाथाओं में अपने नायक की कीर्ति बखान करने के लिए अतिरंजक बातें नत्थी कर दी जाती हैं। परशुराम जी के साथ भी यही हुआ, इस पराक्रमी योद्धा के लिए कहा गया कि उन्होंने इक्कीस बार आर्यावर्त को क्षत्रिय विहीन कर दिया। यह भ्रामक है। परशुराम जी ने सिर्फ अत्याचारी एवं राजधर्म से विमुख राजाओं को ही दण्डित किया था। अगर परशुराम जी ने सभी क्षत्रिय राजाओं का वध किया होता तो राजा दशरथ, राजा जनक और भी कई तत्कालीन क्षत्रिय राजा उस काल में नहीं होते। परशुराम जी संहार और निर्माण दोनों में कुशल थे। उन्होंने जाति नहीं अवगुण का विरोध किया था।

भगवान परशुराम के अवतार का उदेश्य सहस्त्रबाहु या अन्य राजाओं का संहार कर पृथ्वी पर शांति व धर्म का राज्य स्थापित करने तक ही सीमित नहीं था, उन्होंने इससे भी अधिक कई महत्वपूर्ण काम किये। उन्होंने ऋषियों के सम्मान की रक्षा की और यह बात स्थापित किया कि ज्ञान और तप का सम्मान सबको करना ही होगा। भगवान परशुराम महादानी थे। उन्होंनें सारी पृथ्वी जीतकर महर्षि कश्यप को दान में दे दी तथा स्वयं तपस्या करने महेन्द्र पर्वत पर चले गये। परशुराम जी ने भगवान दत्तात्रेय से दीक्षा प्राप्त कर भगवती त्रिपुरा की उपासना का लोक में प्रचार किया। उन्होंने ऋषिपत्नि अनुसुईया तथा लोपामुद्रा के सहयोग से नारी जागृति अभियान चलाया। युद्धकाल में हुए निराश्रित बच्चों तथा विधवा नारियों के जीवन यापन की व्यवस्था करवाई। उनका मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी प्रतिभा के अनुरूप काम मिलना ही चाहिऐ।

सिद्धांततः परशुराम जी एक ऐसा सशक्त विचार हैं जो उच्चतम नैतिक व्यवस्थाओं की नींव पर ऐसे भारतीय समाज की संरचना चाहते है जो ब्रम्हतेज तथा छात्रतेज से भरपूर हो। भगवान परशुराम न्याय के देवता हैं। वे जनकल्याण के महानायक हैं। वे किसी एक जाति के नहीं अपितु सर्व समाज के महानायक हैं।

अक्षय तृतीया भगवान परशुराम का अवतरण दिवस है। अक्षय तृतीया का सर्वसिद्धि मुहुर्त के रूप में विशेष महत्व है। इस दिन का प्रत्येक पल पवित्र है। अक्षय तृतीया का अर्थ होता है कभी क्षय नहीं होने वाला समय। पुराणों में इस बात का उल्लेख है कि इस दिन पितरों के तर्पण, दान, स्नान, जप और तप का अक्षय पुण्य मिलता है। यह दिन शुभ कर्म एवं मार्गलिक कार्य करने का दिन है। आज ही के दिन सामूहिक विवाह की शुरूआत की परपंरा भारतीय समाज में पुनरुत्थान। यह परपंरा अभी तक जारी है।

भगवान परशुराम अतीत के गौरव ही नहीं बल्कि आज के सामाजिक दौर में वे और भी ज्यादा प्रासंगिक हैं। वे एक ऐसे प्रेरणापुंज है जिनकी शिक्षाओं और आदर्शो पर चलने से समाज में नई रोशनी का संचार होता है। नीति, साधना, शक्ति और युक्ति से जीने का सूत्र का ही भगवान परशुराम का संदेश है। इसी मूलमंत्र से व्यक्ति का समग्र विकास होगा, परिवार गुणी एवं समृद्ध होगा, समाज सुसंस्कृत होगा तथा सभी समाज, राष्ट्र की समग्र शक्ति बनेंगे। हम उनके साहस, त्याग, तपस्या और संगठन शक्ति का अनुसरण करें, यही भगवान परशुराम की सच्ची आराधना होगी।

(लेखक पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे हैं)

सतयुग और त्रेतायुग का शुभारंभ अक्षय तृतीया से हुआ

पंडित लेखराज शर्मा ज्योतिषाचार्य, श्री रामानंद आश्रम गुफा मंदिर धाम भोपाल

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, यह तिथि अपने नाम? के अनुरूप स्वयंसिद्ध और हर प्रकार से मंगलदात्री है। ज्योतिष की दृष्टि से महूर्तादि के लिए यह सर्वोत्तमा तिथि मानी गई है। पौराणिक तथ्यों के अनुसार चार युग होते हैं- सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलयुग, जिसमें सतयुग और त्रेतायुग का शुभारंभ अक्षय तृतीया के दिन से हुआ है। सृष्टि के अभिवर्धन और अभिरक्षण की दृष्टि से जगन्ननियन्ता ने श्रीहरि ने धर्म की भार्या मूर्ति के गर्भ से नर-नारायण के रूप में चौथा अवतार लिया, उस दिन भी वैशाख मास की तृतीया ही थी। इस अवतार में ऋषि के रूप में मन-इंद्रिय का संयम करते हुए, बड़ी ही कठिन तपस्या की। इस अवतार के माध्यम से भगवान ने लोक को यह शिक्षा दी, तपस्या के द्वारा मनुष्य जीवन और प्रकृति के रहस्यों को समझकर, लोकहितकारी कार्यों का उत्तम प्रकार से संपादन करता और करवाता है। श्रीमद्भागवतमहापुराण के अनुसार, अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक परमेश्वर श्रीहरि ने अक्षय तृतीया को हयग्रीव अवतार लेकर वेदों की रक्षा की। निरंकुश हो गई राजसत्ता को सद्गति-मति देने के लिए भगवान परशुराम जी के रूप में अवतार लिया।

कब और क्यों मनाया जाता है अक्षय तृतीया? यहां पढ़ें पौराणिक कथा

आदिगुरु भगवान शंकारचार्य महाभाग अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान् के श्रीविग्रह को विशालाक्षेत्र में अलकनंदा नदी में स्थित कुंड से बाहर निकालकर श्रीबद्रीनाथजी के श्रीविग्रह में उनकी प्रतिष्ठा की इसलिए अक्षय तृतीया तिथि को ही श्रीबद्रीनाथ धाम के मंदिर के कपाट जन-सामान्य के दर्शन-पूजनादि हेतु खोल दिए जाते हैं।

अक्षय तृतीया का धार्मिक महत्व

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार, यह तिथि अपने नाम? के अनुरूप स्वयंसिद्ध और हर प्रकार से मंगलदात्री है। ज्योतिष की दृष्टि से महूर्तादि के लिए यह सर्वोत्तमा तिथि मानी गई है। पौराणिक तथ्यों के अनुसार चार युग होते हैं- सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलयुग, जिसमें सतयुग और त्रेतायुग का शुभारंभ अक्षय तृतीया के दिन से हुआ है। सृष्टि के अभिवर्धन और अभिरक्षण की दृष्टि से जगन्ननियन्ता ने श्रीहरि ने धर्म की भार्या मूर्ति के गर्भ से नर-नारायण के रूप में चौथा अवतार लिया, उस दिन भी वैशाख मास की तृतीया ही थी। इस अवतार में ऋषि के रूप में मन-इंद्रिय का संयम करते हुए, बड़ी ही कठिन तपस्या की। इस अवतार के माध्यम से भगवान ने लोक को यह शिक्षा दी, तपस्या के द्वारा मनुष्य जीवन और प्रकृति के रहस्यों को समझकर, लोकहितकारी कार्यों का उत्तम प्रकार से संपादन करता और करवाता है। अनंतकोटि ब्रह्मांड नायक परमेश्वर श्रीहरि ने अक्षय तृतीया को हयग्रीव अवतार लेकर वेदों की रक्षा की। निरंकुश हो गई राजसत्ता को सद्गति-मति देने के लिए भगवान परशुराम जी के रूप में अवतार लिया आदिगुरु भगवान शंकारचार्य महाभाग अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान् के श्रीविग्रह को विशालाक्षेत्र में अलकनंदा नदी में स्थित कुंड से बाहर निकालकर श्रीबद्रीनाथजी के श्रीविग्रह में उनकी प्रतिष्ठा की, इसलिए अक्षय तृतीया तिथि को ही श्रीबद्रीनाथ धाम के मंदिर के कपाट जन-सामान्य के दर्शन-पूजनादि हेतु खोल दिए जाते हैं। कौरव-पांडव के मध्य जो धर्म-अधर्म को लेकर महायुद्ध हुआ, जिसे महाभारत की संज्ञा दी गई, उसका विराम अक्षय तृतीया के दिन ही हुआ तथा द्वापरयुग का समापन भी इसी तिथि को ही हुआ माना गया है। वेदशास्त्र में वर्णित वैदिक और पौराणिक मान्यताओं में परस्पर कर्मकांड विषयों को तर्क की कसौटी पर मान्यता देने वाले दो सद्ग्रंथ धर्मसिंधु और निर्णयसिंधु के अनुसार, इस दिन से जिस भी कार्य का शुभारंभ किया जाता है, वह सिद्ध और अक्षय हो जाता है। इसलिए इस दिन लोग तीर्थों में जाकर, दर्शन दानादि के द्वारा पुण्यलाभ प्राप्त करते हैं, जो कि अक्षय हो जाता है।

परशुराम जयंती पर विशेष

पराक्रम के प्रतीक थे भगवान परशुराम

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल धर्म को सरल और बेहद कम शब्दों में इस तरह भी समझा कि समाज द्वारा स्वीकृत वो मान्यताएं हैं जिस पर चल कर मनुष्य कितना भी शक्तिशाली हो जाए किसी दूसरे का अहित नहीं कर सकता है तथा संतुलित व मर्यादित रहता है। वह धर्मनीति ही है जोमानवता का बोध कराने,अत्याचार, अनाचार, साधु-संतो के उत्थान के लिए भगवान का अनेकों रूप बनवाती है ताकि दुष्टों का संहार, विश्व कल्याण के साथ धर्म जो मनुष्य को उसकी सीमाओं में रखता है की रक्षा की जा सके। भगवान परशुराम ऐसे ही धर्मपरायण थे जो क्रोध के वशीभूत होकर अनाचारियों के लिए किसी काल से कम न थे। परशुराम ही इतिहास के पहले ऐसा महापुरुष हैं जिन्होंने किसी राजा को दंड देने के लिए दूसरे राजाओं को भी सबक सिखा नई राजव्यवस्था बनाई जिससे हा-हाकार मच गया।

परशुराम की विजय के बाद संचालन सही ढ़ंग से न होने से अपराध और हाहाकार की स्थिति बनी। उससे घबराए ऋषियों ने तपोभूमि से साधना लीन दत्तात्रेयजी को उठा पूरा वृत्तान्त बताया। उनके साथ जाकर कपिल और कश्यप मुनि ने परशुराम को समझाया। पहले तो समझ नहीं आया लेकिन कई वर्षों के क्रोध के बाद जब परशुराम कुछ शांत हुए तो उन्हें समझ आया और अपने कृत्यों पर पश्चाताप करने लगे। परशुराम को,मुनि दत्तात्रेय, कपिल और कश्यप ने इसके लिए बहुत धिक्कारा। ग्लानि में डूबे परशुराम ने संगम तट पर सारे जीते हुए राज्य कश्यप मुनि को दान दे दिया और स्वयं महेन्द्र पर्वत चले गए उसके बाद राजकाज की दोबारा सुचारू शासन व्यवस्था संचालित हो पाई। भगवान परशुराम को पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। उन्हें राम का पर्याय और सत्य सनातन माना जाता है जिनका जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग में हुआ। ग्रहों के प्रभाव से वो तेजस्वी, ओजस्वी और वर्चस्वी बने। महाप्रतापी व माता-पिता भक्त परशुराम ने जहां पिता की आज्ञा से माता का गला काट दिया वहीं पिता से माता को जीवित करने का वरदान भी मांग लिया। इस तरह हठी, क्रोधी और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने वाले परशुराम का लक्ष्य मानव मात्र का हित था।दूसरी ओर हैहयों के साथ आज के सिन्ध, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान,पंजाब, लाहौर, अफगानिस्तान, कंधार, ईरान, ट्रांस-ऑक्सियाना तक फैले 21 राज्यों के राजाओं से युध्द तक किया। सभी 21 अत्याचारी राजाओं और उनके उत्तराधिकारियों तक का परशुराम ने विनाश भी किया जिससे दोबारा कोई सिर न उठा सके। केरल प्रदेश को बसाने वाले परशुराम ही थे। एक शोध के अनुसार परशुराम में ब्रम्हा की सृजन शक्ति, विष्णु की पालन शक्ति व शिव की संहार शक्ति विद्यमान थी जिससे त्रिवंत कहलाए। उनकी तपस्या स्थली आज भी तिरुवनंतपुरम के नाम से प्रसिध्द है जो अब केरल की राजधानी है। केरल, कन्याकुमारी और रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में नियमित पूजा होती है। यहां के पंडित संकल्प मंत्र उच्चारण में समूचे क्षेत्र को परशुराम की पावन भूमि कहते हैं। परशुराम के बारे में पुराणों में लिखा है कि महादेव की कृपा व योग के उच्चतम ज्ञान के सहारे वे अजर, अमर हो गए और आज भी महेंद पर्वत में किसी गुप्त स्थान पर आश्रम में रहते हैं। कई धर्मग्रन्थो में वर्णित नक्षत्रो की गणना से हैहय-परशुराम युद्ध अब से लगभग 16300 साल के पहले का माना जाता है।वहीं कुछ कथाएं यह भी हैं कि कई हिमालय यात्रियों ने परशुराम से भेंट होने की बात भी कही हैं। भगवान परशुराम की यही गाथा है जिसमें अनीति, अत्याचार, छल-प्रपंच का संहार करने की सच्चाई है जो आज भी प्रासंगिक है और युगों-युगों तक रहेगी। हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को भगवान विष्णु के अवतार परशुरामजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

30 अप्रैल - अक्षय तृतीया पर विशेष

बाल विवाह – किरणों का दुपहरी में अस्त हो जाना

प्रलय श्रीवास्तव

बाल-विवाह यानि छोटी उम्र में बच्चों की शादी। बड़ों की रजामंदी और संरक्षण में होने वाला ऐसा अपराध जो समारोहपूर्वक होता है। जिसमें भागीदार होते हैं माता-पिता, अभिभावक, रिश्तेदार, पड़ौसी, रस्मों को निभाने वाले कर्ता-धर्ता और वे सभी जो खुद ज्ञाता व विद्वान होने का दावा करते हैं। यह ऐसी कुरीति है जो समाज के माथे पर आज भी कलंक बनी हुई है। कच्ची उम्र में बच्चों को बड़ा होने का अहसास कराना आज भी बदस्तूर जारी है। आखिर बाल-विवाह होते क्यों हैं, इस बात पर भी गौर किया जाना जरूरी है। चूँकि बच्चे शत-प्रतिशत सच्चे होते हैं, उनका मन भोला होता है। नये कपड़े, मिठाई, उपहार, बैण्ड-बाजा का लालच देकर उन्हें विवाह के मण्डप में बैठा दिया जाता है। अनेक ऐसे क्षेत्र या स्थान भी हैं जहाँ परम्परा, रीति-रिवाजों के नाम पर बच्चों को कम उम्र में ही ब्याह दिया जाता है। फिर क्या, इस प्रक्रिया का सीधा-साधा असर बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ता है। तेजी से बढ़ता लिंगानुपात, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में खून की कमी, मातृ-शिशु मृत्यु दर आदि ऐसे कारण हैं, जिनका सीधा संबंध बाल विवाहों से है। बच्चों को उम्र से पहले ही उन बंधनों और जिम्मेदारियों मे लाद दिया जाता है, जिसके लिए वे शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार ही नहीं होते। बाल-विवाह बच्चों को उनके बचपन से भी वंचित कर देता है। समाज ने 18 साल से कम आयु की बालिका की शादी नहीं करने की कानूनी जानकारी तो प्राप्त कर ली, लेकिन उसने यह भी सीख लिया कि होने वाले बाल-विवाह को सरकार की नजर से कैसे छुपाया जाए। ऐसे में अहम जिम्मेदारी उनकी होती है, जिनकी जानकारी में बाल- विवाह होना अथवा उसके होने की संभावना होती है।

इतिहासः वैदिक काल तक विवाह से पूर्व वर व वधु के शारीरिक स्वास्थ पर विशेष ध्यान दिया जाता था। इस काल में विवाह पूर्ण प्रौढ़ावस्था में होता था। स्त्रियों को वैदिक काल तक ही पुरुषों की तरह के सारे अधिकार थे। वैदिक काल के बाद विवाह प्रथा अल्प वय बिवाह में बदलती चली गई। स्मृति चन्द्रिका, संस्कार कांड कहता है कि यदि योग्यपति प्राप्त नहीं होता है तो कन्या का विवाह तरुण आयु प्राप्त होने से पहले ही अयोग्य वर से कर देना चाहिये। ÷प्राचीन भारत में स्त्रियों की दशा÷ नामक पुस्तक में अल्तेका लिखते हैं कि कन्याओं को हमलावरों से बचाने के लिये भी विवाह एक प्रतिरक्षात्मक उपाय था। वर्ण और जाति के कारण भी बाल-विवाह को प्रोत्साहन मिला। कम उम्र में कन्याओं का विवाह कर लोग उसके भविष्य की चिंता से बचने की कोशिश करते थे। भुगतते हैं माँ, बच्चे कम उम्र में शादी होने से न सिर्फ सुरक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता है वरन्अच्छे स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने के अधिकार का भी हनन होता है। इसके अलावा बाल-विवाह के कारण बालिकाएँ कम उम्र में असुरक्षित यौन चक्र में सम्मिलित हो जाती हैं। अपरिपक्व शरीर में बालिका द्वारा गर्भ धारण करने से भ्रूण पूर्ण रूप से विकसित्त नहीं हो पाता। गर्भपात, कम वजन के बच्चे का जन्म, बच्चों और माता में कुपोषण, खून की कमी, मातृ मृत्यु, प्रजनन मार्ग संक्रमण यौन संचरित बीमारियाँ/एचआईवी संक्रमण की संभावना में वृद्धि होना आदि भी बाल-विवाह के दुष्परिणाम हैं। अध्ययनों से सिद्ध हो चुका है कि 15 वर्ष की उम्र में माँ बनने से मातृ मृत्यु की संभावना 20 वर्ष की उम्र में माँ बनने से पाँच गुना अधिक होती है।

बाल-विवाह विरोधी कानूनः बाल-विवाह को रोकने के लिए वर्ष 1929 में बाल-विवाह अंकुश अधिनियम बनाया गया। इसे शारदा एक्ट भी कहा जाता है। इस एक्ट में कई खामियाँ थीं। इन कमियों को दूर करने के लिये बाल-विवाह प्रतिषेध अधिनियम, (पीसीएमए) 2006 को 1 जनवरी 2007 से अधिसूचित किया गया। इसका उद्देश्य बाल-विवाह प्रथा की प्रभावी रोकथाम के लिये पहले कानून की विफलता को दूर करना व बाल-विवाह की रोकथाम के लिये एक समग्र व्यवस्था विकसित करना है। यह कानून 1 नवम्बर 2007 से लागू किया गया है। हालांकि स्वीकृत अंतर्राष्ट्रीय संधियों और राष्ट्रीय कानूनों में इस बात का उल्लेख किया गया है कि बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना और उनके बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कई अंतर्राष्ट्रीय संधियों पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं, जिसमें उन्हें शोषण से बचाने व उन्हें सम्मानजनक अधिकार दिलाने हेतु प्रावधान है।

हमारी जिम्मेदारीः एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में बाल-विवाह की रोकथाम की जिम्मेदारी सभी लोगों की है। हर जिले के कलेक्टर को बाल-विवाह की रोकथाम के लिए जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासन स्तर पर इस कोशिश में हर व्यक्ति को मददगार बननाचाहिए। यदि कहीं भी बाल विवाह होते दिखाई दे तो इसकी जानकारी प्रशासन तक पहुंचाकर बच्चों का भविष्य बर्बाद होने से रोकना हर नागरिक का कर्तव्य है। बाल-विवाह रोकने के लिए समुदाय में निचले स्तर पर प्रेरक के रूप में कार्यरत आँगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं स्कूल के शिक्षक उपयोगी माध्यम हो सकते हैं। मध्यप्रदेश में पंचायतों के पास अपार शक्तियाँ हैं। एक जागरूक पंचायत अपने गाँव में कोई भी बाल-विवाह नहीं होने देने के लिए ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर सकती है। गाँव का मुखिया या सरपंच इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मीडिया बाल-विवाह की रोकथाम में कारगर भूमिका निभा सकता है। एक ओर वह लोगों में बाल विवाह के खिलाफ इसके दुष्परिणामों को लेकर संदेश पहुँचा सकता है, वहीं दूसरी ओर लोगों को शिक्षित और जागरूक भी कर सकता है।

बालक - वालिका स्वयं भी बाल विवाह के खिलाफ आवाज बुलंद कर सकते हैं। मध्यप्रदेश सरकार हर साल अक्षय तृतीया अथवा आखातीज को बाल विवाह की रोकथाम करती है। बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह रोकथाम अभियान भी चलाया जाता है। समस्त जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कड़े कदम उठाने के निर्देश दिये जाते हैं। उनसे कहा जाता है कि वे अपने जिले में ऐसे प्रयास करें कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी बाल विवाह न हो। इसके लिये समाज के ऐसे प्रभावशाली व्यक्तियों समूहों का सहयोग लें, जो वैवाहिक कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सही उम्र में विवाह का महत्व, कम उम्र में विवाह के दुष्परिणाम आम नागरिकों तक पहुँचाने के लिए बेहतर प्रचार-प्रसार करने और स्थानीय मीडिया का भी सहयोग लेने को कहा जाता है। बालिकाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देते हुए बाल विवाह न करने की समझाइश देने को कहा जाता है। कलेक्टरों से भी कहा गया है कि वे जिले के किसी भी शासकीय कॉल सेंटर को बाल विवाह की सूचना देने के लिए स्थायी रूप से अधिकृत करें। व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति संभावित बाल विवाह की सूचना कभी भी उस फोन नम्बर पर दे सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 266 जोड़े शामिल हुए

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के अंतर्गत वर्ष 2025- 26 में जिले के नगरपालिका परिषद करेली में सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें में हिन्दू विवाह जोड़े 257 एवं मुश्लिम निकाह जोड़े 9 कुल 266 जोड़ा शामिल हुए उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण ने बताया कि संबंधित हितग्राही मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजनान्तर्गत सामूहिक विवाह में सम्मिलित होने के लिए हितग्राहियों से पहचान एवं उम्र सम्बन्धित आवश्यक दस्तावेजों सहित संबंधित नगरीय निकायों और जनपद पंचायत में संपर्क कर आवेदन जमा कर विधिबत रजिस्ट्रेशन कराया गया. करेली में सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन न्यू कृषि उपज मंडी मे कराया गया जहां पर पर्याप्त जगह एवं शैड सहित अन्य सुविधाए सुलभ रहीं.

गबन करने वाले पूर्व प्रभारी प्राचार्य पर कोई कार्यवाही नहीं

सिरोंज। विकास खंड अंतर्गत आने वाले शासकीय हाईस्कूल कस्बाताल के पूर्व प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू द्वारा शाला विकास हेतु शासन द्वारा प्रदाय राशि का फर्जी हस्ताक्षर कर दुरुपयोग किया गया जिसकी शिकायत लगभग 2 माह पूर्व जिलाधीश एवं जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित रूप में की गई परन्तु 2 माह बीत जाने के बाद भी अधिकारी सिर्फ पत्राचार में लगे है और राशि का दुरुपयोग करने वाले प्रभारी प्राचार्य को बचाया जा रहा है कार्यवाही के नाम पर सिर्फ पद से हटाया गया है जबकि जगदीश साहू द्वारा फर्जी हस्ताक्षर कर शासन के लगभग 72 हजार रुपए का गवन किया है, तथा अभी तक जगदीश साहू द्वारा वर्तमान प्रभारी प्राचार्य को स्कूल का चार्ज नहीं दिया गया है इस विषय पर अधिकारी मौन है उक्त राशि का शाला में न तो कोई निर्माण संबधी कार्य कराया गया है और ना ही किसी प्रकार की कोई सामग्री क्रय की गई है शासन के नियमानुसार अगर कोई सामग्री क्रय की गई है तो उसका भौतिक सत्यापन किया जाता है सामग्री की गुणवत्ता की जांच की जाती है सामग्री से संबंधित बिल बाऊचर आदि देखे जाते है आखिर अधिकारी के द्वारा अभी तक ऐसी कोई कार्यवाही नहीं गई जबकि इस बात को 2 माह बीत चुके है। कार्रवाई न होना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

ठेकेदार ने किया घटिया काम जांच करने पहुंचे इंजीनियर

सिरोंज। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में काम करने वाले अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा 18 परसेंट से 25त्नबिलों में कार्य लेकर भ्रष्टाचार को खुलेआम अंजाम दिया जा रहा है। कुछ काम तो चंद दिनों में ही गढ़ों में तब्दील हो रहे हैं । इनके घटिया काम की पोल कई बार अधिकारियों को निरीक्षण में खुल चुकी है इसके बाद भी इस तरह से गुणवत्तापूर्ण काम करने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट नगरपालिका कर रही है। विधायक भी घटिया काम करने वालों पर कार्रवाई की बात करते हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। एक और मामला सामने आया वार्ड नंबर पांच के मिर्जापुर के मोहल्ले में कुछ दिन पहले ही ठेकेदार ने चूरी से सी सी सड़क बनाकर खाना पूर्ति कर दी इसके चलते कुछ दिनों में सड़क गढ़ों में तब्दील हो गई शिकायत के बाद भुगतान रोक दिया दूसरी ओर जिस समय सड़क का निर्माण हो रहा था उस समय नगर पालिका के इंजीनियर धरातल पर जांच करने के लिए नहीं पहुंचे जैसे यह कि सड़क उखड़ने लगी एवं पार्षद की शिकायत पर इंजीनियर मंगलवार को पार्षद अजमल शेर खान के साथ घटिया काम की जांच करने पहुंचे दूसरी और ठेकेदार घटिया काम को छिपाने के लिए लीपा पोती करने में लगा हुआ है।

केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होकर आशीर्वाद देंगे

औबेदुल्लागंज सुरेश केवट। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत रायसेन जिले में भी आज अक्षय तृतीया पर सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। जिलेभर में अक्षय तृतीया पर संपन्न होने वाले सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रमों पर सतत निगरानी करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये हैं। वैवाहिक कार्यक्रमों में वर-वधु की आयु सीमा का परीक्षण बारीकी से करने के भी निर्देश दिये गये है ताकि, बाल विवाह पर पूर्णतः रोकथाम लग सके।

जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया के मुताबिक 30 अप्रैल को मुख्यमंत्री विवाह योजना अंतर्गत होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में जिले में 419 जोड़ें शादी के पवित्र बंधन में बंधेंगे।

अक्षय तृतीया पर आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम हेतु जनपद व निकायवार प्राप्त आवेदनो की जानकारी देते हुए बताया कि ओबैदुल्लागंज में 81 विवाह एवं 07 निकाह सम्पन्न होंगे। अक्षय तृतीय 30 अप्रैल को जिले के 04 स्थलों पर शासकीय तौर पर सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रमो का आयोजन एक साथ किया जायेगा। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान शाम 04 बजे भोपाल से प्रस्थान कर शाम 05.15 बजे औबेदुल्लागंज पहुंचेंगे तथा धाकड़ मैरिज गार्डन में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होकर वर-वधुओं को आशीर्वाद देंगे। उक्त कार्यक्रम के बाद शाम 06 बजे दशहरा मैदान औबेदुल्लागंज में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

सड़क मार्ग से शराब दुकान एवं अतिक्रमण हटवाने ग्रामीणों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

महिलाओं एवं स्कूल आने जाने वाले बच्चों को होती है परेशानी

दमोह। ग्राम पंचायत देवरान के ग्रामीणों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दमोह के नाम ज्ञापन सौंपा जिसमें पी. डब्ल्यू. डी. रोड देवरान से हिनीता भौंरासा पहुंच मार्ग पर रोड के दोनों किनारे से अतिक्रमण हटाने की मांग की।

ग्राम पंचायत देवरान सरपंच प्रतिनिधि बलवंत सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत देवरान में देवरान भौंरासा मार्ग पी. डब्ल्यू. डी. रोड पर दोनों किनारे जगह नहीं बची है। सीमावर्ती किसानों द्वारा तार फेंसिंग कर अतिक्रमण कर ली गई है। जिस कारण क्षेत्र की जनता को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत विभाग अटल जीवन ज्योति योजना के द्वारा विद्युत पोल रोड के किनारे सिफ्ट किए गए, जिससे आये दिन दुर्घटना होती है तथा गाँव में शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा होने से बीच रोड़ पर कचरा पड़ा है, जिससे देवरान भौंरासा मार्ग पर अतिक्रमण होने से अव्यवस्था है तथा मुख्य मार्ग दमोह सागर रोड एवं मंदिर के बाजू से देवरान भौंरासा मार्ग पर ही शराब दुकान होने से पी. डब्ल्यू. डी. रोड पर जाम लगा रहता है, जिससे गाँव के बच्चे एवं महिलाओं को आम रास्ता पर निकलने में असुविधा एवं परेशानी होती है ।

ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी से मांग कि देवरान भौंरासा पहुंच मार्ग पर बने अतिक्रमण एवं शराब दुकान को मेन रोड़ से हटाकर कहीं अन्य जगह पर शिप्ट किया जावे।

बाल विवाह मुक्त भारत (चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया) अभियान

वसुधा विकास संस्थान ने कहा जन जागरण जारी रहेगा

रतलाम । बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के रतलाम जिले में सहयोगी संगठन वसुधा विकास संस्थान की ओर से अक्षय तृतीया और शादी के सीजन को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिली है। सभी धर्मगुरुओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाया है। संगठन ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता है। हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने ने की पहल की।

वसुधा विकास संस्थान के परियोजना समन्वयक भास्कर देव परिहार ने कहा किइसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं इस अक्षय तृतीया पर जिले में एक भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया अभियान चला रहा है। जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है। इसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। इसके सहयोगी संगठन वसुधा विकास संस्थान ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझा बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेज में सुझाई गई समग्र रणनीति पर अमल कर रहा है।

वसुधा विकास संस्थान के परियोजना समन्वयक भास्कर देव परिहार ने कहा कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुर्माना या दोनों हो सकता है।

विधायक डॉ. सीतासरन ने सीवरेज परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

नर्मदापुरम। विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने नर्मदापुरम शहर में प्रगतिरत सीवरेज परियोजना की अद्यतन जानकारी प्राप्त की और परियोजना के शेष निर्माण कार्यों को लेकर अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की नर्मदापुरम इकाई के परियोजना प्रबंधक श्री राजेन्द्र खाडे एवं उप परियोजना प्रबंधक श्री चंद्रशेखर कावलकर ने डॉ. शर्मा को परियोजना की वर्तमान स्थिति, अब तक पूर्ण हुए कार्यों और आगामी कार्ययोजना के बारे में अवगत कराया।

नर्मदापुरम जनपद अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र चौकसे भी समीक्षा बैठक के दौरान उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि नर्मदापुरम शहर में यह सीवरेज परियोजना नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा जर्मन बैंक केएफडब?लयू के सहयोग से संचालित की जा रही है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग ?159 करोड़ है और इसका उद्देश्य शहर के जल-मल प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ करना है। विधायक डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण हो तथा गुणवत्ता के मानकों का पूरा पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को शीघ्र ही इसका लाभ मिल सके।

विधायक ने दी 367.15 लाख के विकास कार्यों की सौगात

ग्राम पंचायत बरायच खेरा में भूमिपूजन और छतरपुर शहर में लोकार्पण

छतरपुर। विधायक श्रीमती ललिता यादव ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समारोह पूर्वक 367.15 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास और लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को विकास की सौगात दी।

विधायक श्रीमती ललिता यादव ने आज ग्राम पंचायत बरायच खेरा में आयोजित एक समारोह में बरायच खेरा से गंगायच तक 14 .40 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण, बरायच खेरा से महराजगंज तक 311.25 लाख रुपए की लागत से 4 .33 किमी लम्बी सड़क निर्माण कार्य और बरायच खेरा हायर सेकेंडरी स्कूल की बाउंड्रीवॉल का 10 लाख की लागत से निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। ग्रामवासियों द्वारा इन कार्यों के लिए काफी समय से मांग की जा रही थी। समारोह में सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। इस दौरान विधायक ने बजरंगबली के दर्शन कर सभी की सुख समृद्धि की प्रार्थना की और सभी के साथ समरसता भोज भी किया।

छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने सोमवार को छतरपुर शहर में पलौठा रोड पर 31.50 लाख रुपए की लागत से बन कर तैयार हुए मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का पूजन अर्चन कर विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती ज्योति चौरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री माधुरी शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आरपी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल हुई स्थगित

उपमुख्यमंत्री, मिशन संचालक से चर्चा के बाद लिया गया निर्णय

मंडला। विगत दिवस 22 अप्रैल से शुरू हुई संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की बेमियादी हडताल सात दिन बाद स्थगित कर दी गई है।भोपाल में प्रदेश कार्यकारिणी की स्वास्थ्य मंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ मिशन संचालक एनएचएम के साथ मीटिंग हुई जिसमें सभी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिये जाने का भरोसा दिलाया गया है।जिसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी ने हडताल को स्थगित करने का निर्णय लिया है और कहा है कि मांग पूरी ना होने की स्थिति में संविदा कर्मचारी कभी भी हडताल पर आगे बढने के लिए तैयार रहेंगे।हडताल स्थगित होने के बाद जिले में संविदा कर्मचारी अपने कार्य पर लौट गये हैं।

विगत दिनों संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर 22 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हडताल पर चले गये थे।संविदा कर्मियों की मांग थी कि रिक्त 50 प्रतिशत पदों पर संविदा कर्मियों का संविलियन कर नियमित किया जाये,ईएल,मेडिकल को यथावत रखा जाए,अनुबंध प्रथा को समाप्त किया जाये,शुरू किये गये अप्रेजल को समाप्त किया जाये,सेवनिवृत्ति 65 वर्ष रखी जाये,एनपीएस,ग्रेज्युटी,बीमा,डीए दिया जाए, वेतन निर्धारण विसंगति कोदूर किया जाये, निष्कासित सपोर्ट स्टाफ एवं मलेरिया एमपीडब्ल्यू की वापसी की जाये।

सात दिन तक लगातार हडताल के बाद सोमवार शाम को भोपाल में प्रदेश कार्यकारिणी और उपमुख्यमंत्री, मिशन संचालक के साथ बैठक हुई।जिसमें अप्रेजल, स्वास्थ्य बीमा,ईपीएफ,समकक्षता निर्धारण,ग्रेजुएटी, अर्जित एवं मेडिकल अवकाश,हडताल अवधि का वेतन,कार्यवाही वापसी पर सकारात्मक कार्यवाही का भरोसा दिलाया गया।जिसके बाद प्रदेश कार्यकारिणी ने हडताल स्थगित करने का निर्णय लिया।मंगलवार को मंडला में जिलाध्यक्ष डॉ.मुकेश झारिया के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,सिविल सर्जन समेत सभी बीएमओ को हडताल स्थगित होने की सूचना देते हुए संविदा कर्मी काम पर वापस लौट गये।जिलाध्यक्ष ने बताया कि मांग पूर्ण ना होने की स्थिति में जिले के संविदा कर्मी आंदोलन के लिए कभी भी एकजुटता से तैयार रहेंगे।

फर्जी जॉब कार्ड बनाकर किया शासकीय राशि का घोटाला

शिक्षिका पत्नी, पुत्री, भतीजी, नाना-नानी सभी के खाते में डाली गई राशि

मंडला। रोजगार सहायक की बुआ के दो पुत्र 20 वर्षों से इंदौर में निवासरत हैं,लेकिन दोनों के जॉब कार्ड में फर्जी हाजरी भरकर राशि का आहरण किया गया।रोजगार सहायक ने अपनी शासकीय शिक्षिका पत्नी को भी नहीं छोड़ा,इनके नाम पर भी राशि डाली गई।09 वर्षीय अपनी पुत्री एवं 13 वर्षीय भतीजी के नाम पर भी किया गया राशि का आहरण।अपने वृध्द नाना-नानी के नाम का भी लिया गया लाभ,बाहर से नौकरी करने आये छात्रावास अधीक्षक का भी बनाया गया जॉब कार्ड।इनके मृत होने के बाद भी जॉब कार्ड से लाभ लिया जा रहा है।इस तरह अनेकों फर्जी जॉब कार्ड बनाकर मनरेगा के विभिन्न कार्यों में घपलेबाजी करते हुए फर्जी हाजरी भरकर राशि निकाली गई है। ऐंसा आरोप नारायणगंज जनपद पंचायत घोंटखेड़ा के रोजगार सहायक सुरेश कुमार कुशराम पर लगाते हुए लगातार शिकायत की जा रही है।यहॉ के पोषक ग्राम चाटी के निवासी रामप्रसाद आर्मो द्वारा 43 पेज के दस्तावेज लगाकर उक्त रोजगार सहायक पर एफ.आई.आर. दर्ज कराने की मॉग जिला कलेक्टर से विगत दिवस की गई है।शिकायतकर्ता ने बताया कि, जनपद स्तरीय जॉच में गोलमोल की जा रही है।

शिकायतकर्ता को जान से मारने की दी जा रही धमकी: शिकायतकर्ता द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक आरोपी द्वारा शिकायतकर्ता को मारने पीटने एवं जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिसकी शिकायत भी पिछ्ले दिनों पुलिस अधीक्षक से की गई है।

मामला इस प्रकार है: 1-अनावेदक रोजगार सहायक सुरेश कुमार कुशराम पिता स्व. ओमकार कुशराम के द्वारा अपना नाम बदलकर स्वयं सूरज पिता ओमकार के नाम पर जॉब कार्ड क्र. 65क्ष बनाया गया है।उक्त जॉब कार्ड में अपनी पत्नी नीलू का नाम बदलकर नीलम के नाम से फर्जी हाजरी लगाकर शासकीय राशि का आहरण किया गया है जबकि इनकी पत्नी शासकीय शिक्षक है।2- अनावेदक की मॉ धन्नो बाई पिता हरिलाल के नाम से बना जॉब कार्ड क्र.101 में अनावेदक की पुत्री समृध्दि की फर्जी हाजरी लगाकर राशि का आहरण किया गया है जबकि समृध्दि की उम्र 9 वर्ष है।3- अनावेदक के बड़े भाई स्व.सुरेन्द्र पिता स्व.ओमकार कुशराम की पुत्री साक्षी जिसकी आयु 13 वर्ष है इनके नाम पर भी जॉब कार्ड क्र.65 के माध्य?म से फर्जी हाजरी लगाकर राशि का आहरण किया गया है।4- अनावेदक की भाभी राजेन्ती? कुशराम के पति मृत हो चुके हैं और इनके पति के नाम का जॉब कार्ड क्र. 65 बना हुआ है जिसमें नाबालिग बच्चियों की हाजरी लगायी जा रही है।और भाभी का अलग से जॉब कार्ड क्र. 66 बनाकर फर्जी हाजरी भरकर राशि का आहरण किया जा रहा है जबकि नियमानुसार अनावेदक की भाभी राजेन्ती कुशराम का नाम उनके पति स्व.सुरेन्द्र कुशराम के जॉब कार्ड में जोड़ा जाना चाहिए था।5-अनावेदक के बड़े भाई स्व.सुरेन्द्र पिता स्व.ओमकार कुशराम के पुत्र विवेक उर्फ (मिथलेश, विनय) की आयु 15 वर्ष है इनके नाम पर भी जॉब कार्ड क्र. 56 के माध्यम से फर्जी हा?जरी लगाकर राशि का आहरण किया गया है।6-अनावेदक के नाना हरिलाल उइके जिनकी आयु लगभग 80 वर्ष है एवं नानी तिज्जो बाई उइके जिनकी आयु लगभग 75 वर्ष है जो वृध्द हो चुके हैं जिनकी शारीरिक स्थिति श्रम करने योग्य? नहीं है उन्हें वृध्दा पेंशन का लाभ मिल रहा है।फिर भी जॉब कार्ड क्र.85 के माध्यम से इनके नाम से फर्जी हाजरी लगाकर राशि का आहरण किया गया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.)

Office of the Municipal Council Shahdol, Distt. Shahdol (M.P.)

D.D. Complex, Near Tagore Park Shahdol, Distt. Shahdol -484001 Email:cmoshahdol@mpurban.gov.in, Ph.No. 07652-245175 (O), 241015(F)

कमांक/न.पाश/1737 शहडोल, दिनाक 28/4/25

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीय पंजीयन पद्धति से पंजीकृत ठेकेदारों से नीचे दिये गये विवरण अनुसार ऑनलाईन पद्धति से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी. नम्बर	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम व विवरण	अनुमानित लागत (लाख मे)	अमानत राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की समयसीम	पोर्टल पर निविदा देखने एवं सबमिट करने का दिनांक
1716	2025_UAD_419580_1	CONST OF CC DRAIN WARD NO 16 NEAR HOUSE OF RADHESHYAM SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	2.33	2400/-	2000/-	Registered Contractors and firms AS PER NIT	30 days	28.04.2025 से 19.05.2025 समय 5:30 PM तक
1713	2025_UAD_419575_1	CONST OF CC DRAIN WARD NO 38 NEAR HOUSE OF VIDHYA SHANKAR SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	1.87	3800	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	30 days	28.04.2025 से 19.05.2025 समय 5:30 PM तक
1715	2025_UAD_419577_1	CONST OF CC ROAD WARD NO 16 NEAR BRIHM KUMARI ASHRAM SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	3.18	3200	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	30 days	28.04.2025 से 19.05.2025 समय 5:30 PM तक
1720	2025_UAD_419600_1	CONST OF CC ROAD WARD NO 23 NEAR HOUSE OF BINDU SARDAR, NEAR HOUSE OF SUBHASH GUPTA AND HOUSE OF AJJU GUPTA SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	12.57	9500	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	30 days	28.04.2025 से 28.05.2025 समय 5:30 PM तक
1708	2025_UAD_419520_1	CONST OF FISH PARLOUR AT BIRSA MUNDA CHOWK SHAHDOL AS PER NIT AND ESTIMATE	4.11	4200	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	90 days	28.04.2025 से 19.05.2025 समय 5:30 PM तक

1. इच्छुक ठेकेदार ऑनलाईन निविदा https:/mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी प्रकार का एनआईटी से सबंधित शुद्धीपत्र केवल वेबसाईट में प्रसारित किया जावेगा समाचार पत्रों में नहीं किया जावेगा। निविदा संबंधी समस्त विवरण एवं शर्तें ऑनलाईन एवं कार्यालय के लोक निर्माण शाखा में देखी जा सकती है।

(अक्षत बुन्देला)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद शहडोल जिला शहडोल म.प्र.

एमपी में यहां बन रहा है वर्ल्ड क्लास शहर, 5 हजार करोड़ में होगा विकास

भूमि अधिग्रहण पर किसानों को मिलेगा दोगुना मुआवजा

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने उज्जैन में 5000 करोड़ रुपए की लागत से एक विश्वस्तरीय स्थायी कुंभ सिटी बनाने की योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य सिंहस्थ कुंभ 2028 के लिए आदर्श शहर का निर्माण करना है। इस प्रोजेक्ट में चौड़ी सड़कों, आधुनिक अस्पतालों, स्कूलों और आकर्षक चौराहों के साथ 2378 हेक्टेयर भूमि पर विकास किया जाएगा। किसानों को भूमि अधिग्रहण के लिए दोगुना मुआवजा मिलेगा, जिससे वे लाभान्वित होंगे। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है, जिसके तहत उज्जैन में एक विश्वस्तरीय शहर विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर कुल 5 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, और इसे धर्मनगरी उज्जैन में स्थायी कुंभ सिटी के रूप में बनाया जाएगा। यहां चिकनी और सपाट सड़कों, आधुनिक बिल्डिंग्स, विशाल अस्पतालों, स्कूलों, और आकर्षक चौराहों का निर्माण किया जाएगा, जिससे यह शहर पूरी दुनिया में एक आदर्श शहर के रूप में स्थापित होगा।

उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ के लिए स्थायी कुंभ सिटी का निर्माण

उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ के मद्देनजर, सरकार ने स्थायी कुंभ सिटी बनाने की योजना बनाई है। उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार की गई इस योजना के तहत 2378 हेक्टेयर भूमि पर यह शहर विकसित किया जाएगा। इस शहर में चौड़ी सड़कें, आधुनिक अस्पताल, स्कूल और खूबसूरत चौराहे बनाए जाएंगे, जिससे यह वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रतीक बनेगा। इस परियोजना के तहत जिन किसानों की ज़मीन अधिग्रहीत की जाएगी, उन्हें दोगुना मुआवजा दिया जाएगा। मेला अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि किसानों को इस योजना से अच्छे फायदे होंगे, क्योंकि उन्हें 18 मीटर चौड़ी सड़क के लिए भूमि दी जाएगी। साथ ही, जो किसान लैंड पुलिंग के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें भूमि अधिग्रहण का विकल्प भी दिया जाएगा। इसके अंतर्गत, किसान अपनी ज़मीन को कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार बेच सकते हैं, जिससे उनकी ज़मीन की कीमत में वृद्धि होगी।

हालांकि कुछ किसान इस योजना का विरोध कर रहे हैं, लेकिन मेला अधिकारी का कहना है कि इस योजना से न सिर्फ उज्जैन को वैश्विक पहचान मिलेगी, बल्कि यह किसानों के लिए भी फायदेमंद साबित होगी। सिंहस्थ कुंभ मेला अधिकारी ने बताया कि यह प्रदेश की पहली ऐसी योजना होगी, जिसमें इतने बड़े पैमाने पर एक नई धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी विकसित की जाएगी।

जवां और चमकदार त्वचा के लिये खाइये ये 5 एंटी-एजिंग सुपरफूड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। कौन चाहता है कि वह उम्र से पहले बूढ़ा दिखे, जवाब साफ ह कोई भी नहीं। लेकिन आज के बदलते माहौल में न सिर्फ हमारी शारीरिक सेहत प्रभावित हो रही है, बल्कि हमारी त्वचा भी कई तरह के नुकसान झेल रही है, जिसका हमें अंदाज़ा भी नहीं होता। हालांकि, कुछ छोटे बदलाव, जैसे संतुलित आहार अपनाना और ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना जो त्वचा को स्वस्थ और टाइट बनाए रखें, त्वचा को जवां बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। त्वचा की इन समस्याओं से निपटना कई बार थोड़ा मुश्किल लग सकता है, लेकिन इसका समाधान हमारी अंदरूनी सेहत को बेहतर बनाने से ही शुरू होता है। इस विषय पर गहराई से जानने के लिए हमने त्वचा विशेषज्ञ और कॉस्मेटोलॉजिस्ट डॉ. गीतिका मित्तल से बात की, जिन्होंने बताया कि कुछ खास खाद्य पदार्थों को डाइट में शामिल कर हम त्वचा की उम्र बढ़ने की समस्याओं को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

सीएमएफ बाय नथिंग ने लॉन्च किए सीएमएफ फोन 2 प्रो, बड्स2, बड्स 2 प्लस, और बड्स 2ए

नई दिल्ली, एजेंसी। लंदन आधारित टेक्नोलॉजी कंपनी नथिंग के सब-ब्राण्ड सीएमएफ ने आज चार नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए हैं- सीएमएफ फोन 2 प्रो, बड्स 2, बड्स 2 प्लस, बड्स 2ए।

नथिंग साल की शानदार शुरूआत को जारी रखे हुए है। काउंटरपॉइन्ट रिसर्च क्व 2025 इंडिया स्मार्टफोन शिपमेन्ट रिपोर्ट के अनुसार ब्राण्ड को इस तिमाही सबसे तेज़ी से विकसित होते स्मार्टफोन ब्राण्ड का दर्जा दिया गया है, जिसने 156 फीसदी सालाना की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। लगातार पांचवीं तिमाही के लिए, नथिंग ने सबसे तेज़ी से विकसित होते ब्राण्ड के रूप में अपनी स्थिति को बरक़रार रखा है। नथिंग पिछली तिमाही के दौरान भारतीय बाज़ार में इस उपलब्धि को हासिल करने वाला एकमात्र ब्राण्ड बन गया है। सेगमेन्ट में सर्वश्रेष्ठ थ्री-कैमरा सिस्टम, चमकदार डिस्प्ले और प्रीमियम डिज़ाइन से युक्त सीएमएफ फोन प्रो रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए बेहतरीन स्मार्टफोन है। 7.8 एमएम की मोटाई और मात्र 185 ग्राम वज़न के साथ यह नथिंग द्वारा डिज़ाइन किया गया अब तक का सबसे स्लिम और सबसे लाईटवेट स्मार्टफोन है। सीएमएफ फोन 1 की तुलना 5 फीसदी पतला यह फोन चार रंगों में उपलब्ध है: व्हाईट, ब्लैक, ओरेंज और लाईट ग्रीन, हर कलर इसे अनूठी फिनिश एवं शानदार टेक्सचर देता है।

ईवीएस के खर्चों के लाभ - भारत को इलेक्ट्रिक बनने की ओर सशक्त बनाना

भोपाल। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को खरीदने का ट्रेंड तेज़ी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है, और इसकी सबसे बड़ी वजह है—खर्चों के मामले में पारंपरिक इंटरनल कम्बशन इंजन वाले वाहनों की तुलना में ईवीएस से साफ-साफ मिलने वाला फायदा। भले ही इसकी शुरुआती कीमत थोड़ी अधिक लगे, लेकिन लंबे समय में इलेक्ट्रिक वाहन टिकाऊ और किफायती मोबिलिटी की तलाश कर रहे खरीदारों के लिए बिल्कुल उपयुक्त और समझदारी भरा निर्णय बन जाते हैं। वाहन चलाने और उसके रखरखाव के बेहद कम खर्च के साथ, ईवीएस न सिर्फ भविष्य का वाहन बन रहे हैं, बल्कि एक कार का मालिक होने के मामले में भी नई परिभाषाएं गढ़ रहे हैं। व्हाहन पोर्टल के डेटा के अनुसार, साल 2024 में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में ज़बरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। इस अवधि में रिटेल बिक्री 89,000 यूनिट्स से भी पार पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत की वृद्धि है। यह वृद्धि इवी बाजार के व्यापक विकास को भी दर्शाती है, जहां कुल 19 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई, जो कि 27 प्रतिशत की सालाना तेज़ी है। आर्थिक लाभ के अलावा, निर्माताओं के बढ़ते समर्थन और सरकारी पहलों के विस्तार ने भी उपभोक्ताओं के बीच ईवीएस के प्रति भरोसे को नई उड़ान दी है।

डीसीबी बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के वार्षिक परिणामों की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। डीसीबी बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 25 अप्रैल 2025 को मुंबई में आयोजित बैठक में 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का अनुमोदन किया। इन परिणामों के साथ वैधानिक लेखापरीक्षकों 'वर्मा एंड वर्मा, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' तथा 'बीएसआर एंड कंपनी एलएलपी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स' की ऑडिट रिपोर्ट भी सम्मिलित है। वित्त वर्ष 2025 के परिणामों पर बोलते हुए डीसीबी बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री प्रवीण कुट्टी ने कहा- ऋण वितरण और जमा दोनों में ही विकास गति मजबूत बनी हुई है। नेट इंटरेस्ट मार्जिन स्थिर हो रहा है और शुल्क आय निरंतर बढ़ रही है। उत्पादकता में हुई वृद्धि लागत दक्षता में सुधार को दर्शाती है। हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पोर्टफोलियो गुणवत्ता में निरंतर सुधार देखकर प्रसन्न हैं। हमें विश्वास है कि हमने जो कदम उठाए हैं, वे आने वाले समय में इन रुझानों को और बेहतर बनाएंगे।

अर्बन कंपनी लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 1900 करोड़ तक जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई, एजेंसी। विभिन्न होम और ब्यूटी श्रेणियों में गुणवत्ता आधारित सेवाओं और समाधानों के लिए एक टेक्नोलॉजी-आधारित, फुल-स्टैक ऑनलाइन सेवा बाज़ार संचालित करने वाली कंपनी अर्बन कंपनी लिमिटेड ने बाज़ार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी का लक्ष्य प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से 1900 करोड़ (19000 मिलियन) जुटाना है, जिसमें 1 अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों की पेशकश की जाएगी इस ऑफर में 4290 मिलियन (429 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का ताजा इश्यू (फ्रेश इश्यू) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 14710 मिलियन (1471 करोड़) तक के शेयरों की बिक्री का ऑफर (ऑफर फॉर सेल) शामिल है।कंपनी के प्रमोटर अभिराज सिंह भाल (चेयरपर्सन, मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर), राघव चंद्रा (एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर और चीफ टेक्नालजी ऑफिसर और प्रॉडक्ट ऑफिसर) और वरुण खेतान (एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - क्यू4 और एफवाय 2025 के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने आज क्यू4 एफवाय25 के लिए अपने परिणाम जारी किए। क्यू4 एफवाय25 में शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत वायओवाय की मजबूत वृद्धि के साथ 2,051 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 3,195 करोड़ रहा। एनआईएम 4 प्रतिशत दर्ज की गई, और शुद्ध ब्याज आय 3,290 करोड़ रही। क्यू4-2025 के लिए कॉस्ट ऑफ डिपॉजिट 4.83 प्रतिशत थी, जो क्यू4-2024 में 4.48 प्रतिशत थी। सीआरएआर 279 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि के साथ 25.05 प्रतिशत रहा। संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) क्यू4-2024 में 1.82 प्रतिशत के मुकाबले क्यू4-2025 में 29 बीपीएस बढ़कर 2.11 प्रतिशत हो गया।

रियलएस्टेट एजेंट्स के लिए वरदान साबित हो रहा है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: राहुल श्रीवास्तव

भोपाल। वर्तमान तकनीकी युग में जहां हर क्षेत्र डिजिटल क्रांति से गुजर रहा है, वहीं रियल एस्टेट व्यवसाय भी तेजी से तकनीक की ओर बढ़ रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रियल एस्टेट एजेंट्स के लिए एक प्रभावशाली उपकरण बनकर उभरा है। इसी विषय पर एसोसिएशन ऑफ भोपाल रियल्टर्स द्वारा आयोजित एजुकेशन सीरीज़ में विशेषज्ञों द्वारा ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विशेष वक्ता के रूप में एआई ग्रोथ कोच, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर एवं टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट - राहुल श्रीवास्तव ने उपस्थित रियल एस्टेट व्यवसायियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन एसोसिएशन ऑफ भोपाल रियल्टर्स के तत्वावधान में किया गया, जिसमें राहुल श्रीवास्तव ने बताया कि आज के डिजिटल दौर में ग्राहक जागरूक और तकनीकी रूप से सक्षम हो गए हैं। ऐसे में एजेंट्स के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वे एआई, गूगल बिजनेस प्रोफाइल, सोशल मीडिया जैसे प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग कर अपने व्यवसाय को न सिर्फ सुदृढ़ करें बल्कि ग्राहक सेवा में भी उत्कृष्टता प्राप्त करें। उन्होंने आगे कहा कि तकनीक की निरंतरता में खुद को अद्यतन रखना ही व्यावसायिक सफलता की मूलभूत शर्त बन चुकी है। राकेश अग्रवाल चेयरमैन - एजुकेशन एवं जनसंपर्क ने बताया कि एजुकेशन सीरीज़ के अंतर्गत एजेंट्स को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रॉपर्टी के वैधानिक पहलुओं की गहन जानकारी भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि इस ज्ञान से एजेंट्स अपनी ब्रोकरेज फीस की रक्षा करते हुए ग्राहकों को और अधिक प्रोफेशनल सेवाएं देने में सक्षम हो रहे हैं। कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ भोपाल रियल्टर्स के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने संगठन की ओर से सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कियह संगठन रियल एस्टेट क्षेत्र के पेशेवरों को न केवल एक मंच प्रदान करता है, बल्कि उन्हें बदलती तकनीकी दुनिया में दक्ष बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। प्रदीप करमबेलकर द्वारा नवसदस्यों का पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत किया गया और सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक समीर मनोचा एवं नईम खान ने पूरी रूपरेखा तैयार की एवं आयोजन को सफल प्रस्तुति दी। आयोजन के अंत में बंपर लकी ड्रा का आयोजन किया गया, जिसने कार्यक्रम को रोमांचक और स्मरणीय बना दिया।

इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी अनुराग सक्सेना, पंकज जोशी, चेरियन थॉमस, अभय जैन, सुमित गोठी एवं महिला सदस्य श्रीमती रूपल जैन, डॉ. संगीता जैन, श्रीमती रेनू बरनवाल एवं श्रीमती कीर्ति पंचोली विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ भोपाल रियल्टर्स के निम्न प्रमुख सदस्य भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति के साथ शामिल हुए: सतीश शर्मा, रवींद्र मिश्र, आनंद अवतरामानी, सुगंध गुप्ता ,अमित मिश्रा, लव राजपाल, संजय दत्ता ,जीत मेहता , विनोद सिटके, नितिन शर्मा, कमलेश त्रिपाठी, जय किशन खत्री, मनीष गुलाटी, अनिल नेमा,संजय विश्वकर्मा, नीरज गुप्ता, सत्येंद्र शर्मा, मुरारी अग्रवाल,अनूप दुबे एवं अन्य सदस्यों उपस्थित थे ,कार्यक्रम के दौरान फरवरी माह में सफलतापूर्वक संपन्न हुए उड़ान 2.0 कार्यक्रम की भी चर्चा की गई। राष्ट्रीय स्तर पर इस आयोजन को मिली उत्कृष्ट सराहना की जानकारी अध्यक्ष अरुण गुप्ता द्वारा दी गई। उन्होंने इस सफलता के लिए समस्त सदस्यों के योगदान हेतु आभार भी व्यक्त किया।

भोपाल। आज होशंगाबाद रोड स्थित सीएसबी बैंक की नवीन ब्रांच का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक शैलेंद्र प्रधान एवं महापौर मालती राय उपस्थित रहे।

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने सोनी मैक्स 1 के लॉन्च के साथ अपने हिंदी मूवी यूनिवर्स का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) ने हिंदी मूवी ब्रॉडकास्ट स्पेस में अपनी उपस्थिति को और सशक्त करते हुए अपने नए चैनल सोनी मैक्स 1 की घोषणा की है, जिसे लीनियर टीवी दर्शकों के लिए सिनेमाई अनुभव को और भी ऊंचा उठाने के उद्देश्य से लॉन्च किया जा रहा है। फिल्मों का ऐसा चस्का, जो देखे हक्का-बक्का जैसी जोशीली टैगलाइन के साथ यह चैनल दर्शकों के मनोरंजन के लिए फिल्मों का एक दिलचस्प और विशेष रूप से तैयार किया गया मिश्रण लेकर आ रहा है। सोनी मैक्स 1, 1 मई 2025 से देशभर के प्रमुख डीटीएच और केबल प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होने के लिए तैयार है, और यह हिंदी फिल्मों के प्रेमियों के लिए पसंदीदा डेस्टिनेशन बनने की ओर अग्रसर है। तुषार शाह, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर (सीएमओ) एवं बिज़नेस हेड - मूवीज़, रीजनल और इन्फोटेनमेंट चैनल्स, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई)= प्रभावशाली ब्रांड्स विकसित करने की विरासत और दर्शकों की पसंद की गहरी समझ के साथ, सोनी मैक्स 1 का लॉन्च हमारे हिंदी मूवीज़ क्लस्टर के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है। यह चैनल लीनियर टेलीविज़न पर एक क्यूरेटेड मूवी-व्यूइंग एक्सपीरियंस देने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो आज के दर्शकों के लिए प्रासंगिक है, पारिवारिक संवेदनाओं पर आधारित है और आनंद के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस विश्वास के साथ कि फिल्में व्यक्ति की पसंद से ऊपर उठकर पूरे परिवार को एक साथ ला सकती हैं, सोनी मैक्स 1 विभिन्न शैलियों की लोकप्रिय फिल्मों की एक रोचक श्रृंखला पेश करता है। बॉलीवुड के ब्लॉकबस्टर्स से लेकर क्षेत्रीय रत्नों तक, कल्ट क्लासिक्स से लेकर डब किए गए हॉलीवुड टाइटल्स तक - यह चैनल एक ऐसा अनुभव प्रदान करेगा जो मनोरंजन और समृद्ध कहानी कहने की कला को एक साथ जोड़ता है।

सोनाटा पेश करते हैं 'सोनाटा गोल्ड' वॉचेज़ सोने के उपहार को दिया नया आयाम

मुंबई , एजेंसी। भारत में घड़ियों के सबसे पसंदीदा ब्राण्ड सोनाटा लेकर आए हैं सोनाटा गोल्ड- सोच-समझ कर डिज़ाइन किया गया स्टाइलिश कलेक्शन जो हमारे लिए गोल्ड यानि सोने के अनुभव को पूरी तरह से बदल देगा। सोनाटा गोल्ड, सोने के प्रति आपके लगाव को दर्शाने का नया और बोल्ड तरीका है- जो न सिर्फ परम्परा का साथ निभाएगा, बल्कि आपका अपना स्टाइल स्टेटमेन्ट भी बन जाएगा। अक्षय तृतीया का त्योहार आ रहा है, जिसे समृद्धि एवं सकारात्मक शुरूआत का प्रतीक माना जाता है, इसी के मद्देनज़र पेश किया गया कलेक्शन सोनाटा गोल्ड, सोने के उपहार को नया दृष्टिकोण प्रदान करता है। इस कलेक्शन की हर घड़ी के डायल में 0.15 ग्राम का 22 कैरट तनिष्क गोल्ड कॉयन है, एक शानदार डीटेल जो कारीगरी, विरासत एवं डिज़ाइनिंग को दर्शाता है। यह कलेक्शन उन लोगों के लिए बेहतरीन है, जिन्हें बारीकी से तैयार किए गए डिज़ाइन खूब लुभाते हैं। इन घड़ियों का स्लीक केस डिज़ाइन, गोल्ड कॉयन से युक्त लैकर्ड हाई-पॉलिश ब्लैक डायल और असली लैदर का स्ट्रैप इसे बेहद आकर्षक और खास बनाता है। इस नई पेशकश पर बात करते हुए श्री प्रतीक गुप्ता, ब्राण्ड हैड, सोनाटा ने कहा, ''सोनाटा गोल्ड सिर्फ एक घड़ी नहीं बल्कि एक अनुभव है। हम कुछ ऐसा बनाना चाहते थे, जो प्रीमियम अहसास दे, सदाबहार होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी हो। ये घड़ियां उन लोगों के लिए हैं जो डिज़ाइन को महत्व देते हैं- ये आपके और आपके प्रियजनों के लिए सोने की सशक्त अभिव्यक्ति है।

रेमेडियम लाइफकेयर: हमारे राइट्स इश्यू के साथ फार्मा की लहर पर सवार हों!

मुंबई, एजेंसी। रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई- 539561) ने अपने बहुप्रतीक्षित राइट्स इश्यू के लॉन्च की घोषणा की है, जिसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से मंज़ूरी मिल गई है। यह रणनीतिक पहल कंपनी की एक एकीकृत, शोध-संचालित फार्मास्युटिकल लीडर बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राइट्स इश्यू 30 अप्रैल, 2025 को खुलेगा और 14 मई, 2025 को बंद होगा। यह पूंजी जुटाना रेमेडियम के हाल ही में एक प्रमुख यूके-आधारित फार्मास्युटिकल कंपनी के साथ 182.7 करोड़ के समझौते के बाद हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जुटाई गई धनराशि का उपयोग कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं में निवेश, उच्च मूल्य वाली दवा मध्यवर्ती वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ाने, शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने, डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजार में पैठ बढ़ाने के लिए किया जाएगा। इस विकास पर बोलते हुए, रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री आदर्श मुंजाल ने टिप्पणी की- यह राइट्स इश्यू वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त, नवाचार-आधारित दवा कंपनी बनने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पूंजी निवेश घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगा, जिसमें यूरोप और एशिया पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह निवेशकों को निर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रस्ताव की सदस्यता लेने और संभावित रूप से आकर्षक कीमत पर कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का एक रोमांचक अवसर प्रदान करता है।

सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड को 49 .50 करोड़ के राइट्स इश्यू के लिए बीएसई से मिली सैद्धांतिक मंजूरी

मुंबई , एजेंसी। घरेलू साज-सज्जा (होम डेकोर) और विभिन्न सुगंध उत्पाद बनाने वाली कंपनी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई- 539519) को अपने 49.50 करोड़ रुपए के प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से सैद्धांतिक मंज़ूरी मिल गई है। कंपनी को यह मंज़ूरी 27 मार्च 2025 को मिली।

सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड कंपनी विशेष रूप से कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, व्यापार विस्तार का समर्थन करने और मौजूदा सहायक कंपनियों में निवेश करने के लिए इस राइट्स इश्यू से शुद्ध आय का उपयोग करने का इरादा रखती है। इसके अलावा, फंड का उपयोग व्यवसाय विस्तार और विविधीकरण के लिए नई सहायक या सहयोगी कंपनियों को बनाने या अधिग्रहण करने या उच्च विकास क्षमता वाली कंपनियों में निवेश करने के लिए किया जाएगा।

इस डेवलपमेंट पर सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मीत ब्रह्मभट्ट ने कहा कि राइट्स इश्यू के लिए बीएसई से सैद्धांतिक मंज़ूरी प्राप्त करना वास्तव में हमारे लिए एक माइलस्टोन है। हम अपनी बाजार स्थिति को मजबूत करना जारी रखेंगे और बर्नर मैन्युफैक्चरिंग में नवाचार को बढ़ावा देंगे। इस इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग रणनीतिक रूप से हमारी कार्यशील पूंजी को मजबूत करने, व्यापार विस्तार का समर्थन करने और मौजूदा और संभावित सहायक कंपनियों में निवेश करने के लिए किया जाएगा।

SATTVA SUKUN

हमारे प्रीमियम सुगंध और घरेलू सजावट उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, यह पूंजी निवेश हमें परिचालन बढ़ाने, उत्पाद नवाचार बढ़ाने और बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा।

सत्व सुकुन लाइफकेयर ने दिसंबर-2024 को समाप्त नौ महीने की अवधि के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया। जिसमें कंपनी की आवक में 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई और शुद्ध लाभ में 126 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो इसकी परिचालन दक्षता को दर्शाता है। सत्व सुकुन लाइफकेयर नए अवसरों का लाभ उठाने, अपने डिजिटल पदचिह्न का विस्तार करने और सभी हितधारकों को मूल्य प्रदान करने पर केंद्रित है।

कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल ही में नई और मौजूदा सहायक कंपनियों में 3,500 लाख रुपए का निवेश को मंज़ूरी दी है और व्यवसाय विस्तार के लिए 500 लाख रुपए आवंटन को भी स्वीकृत किया है।

श्री मीत ब्रह्मभट्ट ने कहा कि हमें विश्वास है कि यह राइट्स इश्यू दीर्घकालिक सफलता के लिए हमारी नींव को मजबूत करेगा। अपने शेयरधारकों और निवेशकों के निरंतर समर्थन के साथ, हम नवाचार को बढ़ावा देने, अपनी पहुंच का विस्तार करने और पर्यावरण के अनुकूल स्थायी मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कृषकों को नरवाई न जलाने के लिये शपथ दिलाई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन तथा उप संचालक कृषि जितेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में कृषकों को नरवाई जलाने से होने वाले परिणामों के बारे में लगातार समझाईश दी जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के निर्देशानुसार विकासखंड छिन्दवाड़ा के ग्राम जमुनिया में चौपाल लगाकर कृषकों को जागरूक किया गया। कृषि विभाग एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा नरवाई प्रबंधन एवं नरवाई जलाने पर शासन द्वारा अधिरोपित किए जाने वाले दंड के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। नरवाई जलाने पर एफआईआर एवं 2500 से 15000 रुपए तक जुर्माना जैसे आदेशों के बारे में कृषकों को समझाया गया तथा उपस्थित कृषकों को नरवाई ना जलाने के बारे में शपथ दिलाई गई। मौके पर सुपरसीडर से बोनी का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी कृषि नीलकंठ पटवारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सुश्री श्रद्धा डेहरिया, उपयंत्री कृषि अभियांत्रिकी सुश्री अश्विनी सिंह, कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री प्रेरणा चौकसे, कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री हर्षिता ठाकुर, सरपंच सुनील चौधरी तथा बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो केदौरान (30 अप्रैल से 04 मई 2025) घने से हल्के बादल रहने एवं दिनांक 30.04.2025 एवं 03.05.2025 से 04.05.2025 को बिजली के साथ तूफान/ तेज़ हवा (40-60 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 36-37 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 23-24 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 65-83 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 28-40 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशाओ में बहने एवं 04-08 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

वैश्य महासम्मेलन सदस्यों द्वारा सांसद को जन्मदिन पर बधाई दी

छिंदवाड़ा। जिले के लोकपिय सांसद वैश्य गौरव सम्मान से सम्मानित विवेक बंटी साहू के जन्मदिन के अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रमुख पदाधिकारियों और अजीवन सदस्यों ने जन्मदिन की बधाई दी एवं आत्मीय अभिनंदन किया इस अवसर पर वैश्य संगठन के प्रदेश मंत्री रमेश जाखोटिया, जिला प्रभारी प्रभु नारायण नेमा, रत्नेश जैन, सुरेश मोहने पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद नेमा, महेश चांडक, रामकुमार सोनी, संजय सिंघई (मीनू), रितेश जैन, संजय अग्रवाल,अजय राज जैन (रानू), सुधीर जैन, मनीष वैद्यमुथा, नितिन राय (मोनू), हरीश खंडेलवाल एवं पलाश जैन सहित बड़ी संख्या में वैश्य महासम्मेलन संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

बजट को लेकर हंगामा, पार्षदों ने उठाए कई गंभीर सवाल

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के नगर पालिका परिषद डोंगर परासिया की विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें आगामी वित्तीय वर्ष के बजट को लेकर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान पार्षदों ने बजट में गंभीर कमियों को उजागर करते हुए नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए। बैठक की शुरुआत में पार्षद पवन सूर्यवंशी, अनुज पाटकर, आशीष जायसवाल एवं अन्य सदस्यों ने परासिया शहर से जुड़ी जनहित की समस्याओं को जोरदार तरीके से सदन में उठाया। पार्षद पवन सूर्यवंशी ने वार्ड क्रमांक 11 में स्थित नाले की गलत संरचना और समय पर सफाई नहीं होने से बारिश के दौरान घरों में पानी घुसने की समस्या को प्रमुखता से रखा। उन्होंने पूर्व में दिए गए आवेदन पर कोई कार्यवाही न होने की भी शिकायत की और निष्पक्ष जांच की मांग की। इसके साथ ही साप्ताहिक बाजार में हो रही कथित अवैध वसूली को लेकर पवन सूर्यवंशी ने जोरदार विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि बाजार में प्राइवेट कर्मचारियों के माध्यम से बिना रसीद के अवैध वसूली की जा रही है, जिससे छोटे दुकानदारों पर दबाव बन रहा है। इस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने तत्काल आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि भविष्य में वसूली केवल बारकोड प्रणाली से की जाएगी और किसी भी प्रकार की नकद वसूली नहीं होगी बैठक के दौरान पार्षद अनुज पाटकर ने बजट में की गई खामियों और तुलनात्मक अध्ययन की कमी को लेकर तीखा विरोध जताया, वहीं पार्षद आशीष जायसवाल ने छह माह से लंबित पाइपलाइन सुधार कार्य को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने पानी की समस्या को गंभीर बताया।बैठक में पार्षदों ने आरोप लगाया कि बजट बिना समुचित जानकारी के महज औपचारिकता के तौर पर परिषद में पेश किया जा रहा है।

दूसरी बार भी बजट बैठक फेल... पार्षदों ने प्रस्ताव अस्वीकार किए, भाजपा के पार्षद ही विरोध में

छिंदवाड़ा। परासिया नगर पालिका में भाजपा पार्षदों के बीच छिड़ी वर्चस्व की लड़ाई अब शहर के विकास में बाधा बन रही है। नया वित्तीय वर्ष शुरु हो चुका है, लेकिन दूसरी बार भी परासिया नगर पालिका बजट पास नहीं हो सका, जबकि नया वित्तीय वर्ष शुरु हुए एक माह का समय हो चुका है। पार्षद आपस में उलझे हुए हैं। विवाद इतना बढ़ गया है कि भाजपा के पार्षद ही एक दूसरे की खुलकर शिकायत कर रहे हैं।बजट के सिंगल प्रस्ताव को लेकर परासिया नगर पालिका में दूसरी बार बजट बैठक का आयोजन मंगलवार को किया गया था। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए वित्तीय वर्ष के प्रस्ताव पर चर्चा होनी थी, लेकिन पार्षदों के समक्ष बजट - के बैठक में रखते ही विरोध शुरु कर दिया गया। पार्षदों का आरोप था कि अध्यक्ष द्वारा अधूरा बजट पेश किया जा रहा है। जिसको लेकर भाजपा पार्षद अनुज पाटकर, पवन सूर्यवंशी, आशीष जायसवाल, वीर बहादुर सिंह ने कई जनहित के मुद्दे उठाए। पार्षदों की शिकायतों और समस्याओं का समाधान नहीं होने पर प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई गई।

सम्मान निधि, छात्रवृत्ति, संबल योजना का लाभ दिलाने की मांग

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 110 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 110 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये । जनसुनवाई में मुख्य रूप से जमीन का सीमांकन करने, अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, छात्रवृत्ति दिलाने, संबल योजना का लाभ दिलाने, भू-अधिकार पट्टा दिलाने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी।कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिए भी चिन्हांकित किया। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम बनगांव की श्रीमती सुखवती ने जमीन के राजस्व रिकॉर्ड दुरूस्त करने, अमरवाड़ा के राजकुमार ठाकरे ने प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम किस्त की राशि दिलाने, ग्राम मोरखा के रघुवीर धुर्वे ने पहाड़ी क्षेत्र की जमीन को समतलीकरण करने, ग्राम रंगीनखापा के श्री गंगा प्रसाद विश्वकर्मा ने मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि दिलाने, ग्राम सारना के श्रीराम नागवंशी ने पेंशन प्रकरण स्वीकृत कराने, ग्राम मदरसा चिखलार के ग्रामवासियों ने सिंचाई के लिये विद्युत लाईन का विस्तार एवं कनेक्शन प्रदाय करने, ग्राम इकलहरा के संतोष डेहरिया ने प्राधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान के लिये जमीन दिलाने, ग्राम बोरिया के राजकुमार ने कृषि भूमि के दस्तावेजों में नाम सुधार करने, तामिया के छब्बीलाल अहिरवार ने अर्जित अवकाश नगदीकरण दिलाने, ग्राम बोरगांव के धीरलाल पन्द्राम ने कॉलेज की छात्रवृत्ति दिलाने एवं छिंदवाड़ा नगर के वार्ड नंबर-35 श्रीमती पंचवती यादव ने जमीन का पट्टा दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एडीएम के.सी.बोपचे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार व संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुये।

जिले भर के कर्यकर्ताओं ने दी बधाई सांसद के जन्मदिन पर आंगनबाड़ी में बांटे पंखे

छिन्दवाड़ा। छिंदवाड़ा/पांढुर्णा जिले के सांसद विवेक बंटी साहू द्वारा जन्मदिवस के अवसर पर छिंदवाड़ा शहरी क्षेत्र के अंतर्गत आंगनवाडी केन्द्र लोनिया कर्बल - 01, 05 एवं 06 में बच्चों को बैग वितरित किये गए। आंगनवाडी केन्द्र लोनिया कर्बल-06 की कार्यकर्ता श्रीमती प्रीति जावरे द्वारा बताया गया कि इस मौके पर श्री संतोष दुबे द्वारा आंगनवाडी केन्द्र लोनिया कर्बल-05 में 15 लीटर का पानी का कैम्पर दिया गया। श्री दुबे द्वारा आंगवनवाडी केन्द्र लोनिया कर्बल-05 को गोद लिया गया है। अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा द्वारा केले एवं श्री गियासुद्दिन पासा द्वारा बच्चों को आईसक्रीम एवं चोकलेट वितरित किये गए। इस प्रकार छिंदवाड़ा/पांढुर्णा जिले के सांसद श्री साहू द्वारा छिन्दवाडा के 100 आंगवाडी केन्द्रों में व्यक्तिगत व्यय पर पंखे वितरित किये गए। कार्यक्रम स्थल पर सभी कार्यकर्ता एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास डॉ. हेमन्त छेकर भी उपस्थित थे।

वैश्य महासम्मेलन सदस्य गण द्वारा सांसद को जन्मदिन पर बधाई दी

जिले के लोकपिय सांसद वैश्य गौरव सम्मान से सम्मानित विवेक बंटी साहू के जन्मदिन के अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के प्रमुख पदाधिकारियों और अजीवन सदस्यों ने जन्मदिन की बधाई दी एवं आत्मीय अभिनंदन किया इस अवसर पर वैश्य संगठन के प्रदेश मंत्री रमेश जाखोटिया, जिला प्रभारी प्रभु नारायण नेमा, रत्नेश जैन, सुरेश मोहने पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद नेमा, महेश चांडक, रामकुमार सोनी, संजय सिंघई (मीनू), रितेश जैन, संजय अग्रवाल,अजय राज जैन (रानू), सुधीर जैन, मनीष वैद्यमुथा, नितिन राय (मोनू), हरीश खंडेलवाल एवं पलाश जैन सहित बड़ी संख्या में वैश्य महासम्मेलन संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

वादा था 500 रुपए में सिलेंडर देंगे, सीधे 50 रुपए दाम बढ़ा दिए: किरण चौधरी

परासिया में महिला कांग्रेस ने किया आंदोलन, निकाली रैली चूल्हे पर पोहा बनाकर दर्ज कराया विरोध

छिंदवाडा। महंगाई के इस दौर में भाजपा की सरकार ने रसोई गैस के दाम बढ़ाकर महिलाओं को एक और तोहफा दिया। चुनाव से पहले भाजपा ने वादा किया था 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का, किन्तु सीधे 50 रुपए की मूल्य वृद्धि कर एक बार फिर सरकार ने यह साबित कर दिया कि भाजपा जो कहती है वह कभी करती नहीं। सरकार का यह कदम महिलाओं के विरोध में है। जिला महिला कांग्रेस ने रसोई गैस के बढ़े हुए दामों का परासिया में पुरजोर विरोध करते हुए धरना प्रदर्शन किया।

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने पंद्रह माह की कांग्रेस सरकार में कभी मातृशक्ति पर महंगाई का बोझ नहीं पड़ने दिया। महिला कांग्रेस लगातार रसोई गैस के बढ़े हुए दामों का विरोध कर रही है। जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष

श्रीमती किरण चौधरी ने परासिया में गैस के दाम घटाओ, महिलाओं का बजट बचाओ रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार केवल झूठी घोषणाएं व वायदें करती है। चुनाव आते ही भाजपा को महिलाओं की याद आती है और चुनाव होते ही घरेलू सामग्री के दाम बढ़ाने की याद करती है। आयोजित धरना प्रदर्शन में परासिया ब्लॉक व नगर महिला कांग्रेस की पदाधिकारी व कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। परासिया पुलिस थाना के समीप से अंबेडकर चौराहे के निकट हुए इस आंदोलन में बडी संख्या में महिलाएं मौजूद रही। महिलाओं ने न केवल चूल्हे पर पोहा बनाकर विरोध दर्ज किया बल्कि सरकार विरोधी नारेबाजी कर अपना गुस्सा व्यक्त किया। महिला नेत्रियों ने चौराहे पर बैठकर नाश्ता बांटा।

राष्ट्रीय स्तर पर चमकेंगे जुन्नारदेव के खिलाड़ी, ओडिशा रवाना हुए मीत नयन और अंबर

छिन्दवाड़ा। खेल प्रतिभा के क्षेत्र में एक बार फिर छिंदवाड़ा जिले के का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन होने जा रहा है। जिले के विकासखण्ड जुन्नारदेव के उत्कृष्ट विद्यालय के कक्षा 12वीं के दो होनहार खिलाड़ी मीत नयन निवारे और अंबर यदुवंशी टेनिस वॉलीबॉल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। 1 से 3 मई तक ओडिशा के पारादीप में आयोजित इस यूथ टेनिस वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ी भाग लेंगे। मंगलवार को दोनों खिलाड़ी पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन से ओडिशा के लिए रवाना हुए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह, एसडीएम सुश्री कामिनी ठाकुर और सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्री सत्येंद्र सिंह मरकाम ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्राचार्य सी. एस. दीक्षित एवं समस्त शिक्षकों ने भी मीत नयन और अंबर को आशीर्वाद दिया तथा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। जिला क्रीड़ा अधिकारी (ट्राईबल) श्री अनुरोध श्याम शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव से पूर्व में भी खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की टेनिस वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके हैं। जनजातीय कार्य विभाग के विद्यालयों से खिलाड़ी लगातार न केवल विभागीय बल्कि फेडरेशन की प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर जिले और विभाग को गौरवान्वित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में ओपन डॉजबॉल प्रतियोगिता में भी विभाग के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। आगामी समय में जिले के सभी विकासखंडों में खेल प्रतिभा खोजने हेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे

मेरा ईकेवायसी एप लॉन्च, घर बैठे करें राशन की ई-केवायसी

छिन्दवाड़ा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को शासकीय उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। आगामी समय में खाद्यान्न निरंतर प्राप्त होता रहे इसलिये सभी पात्र हितग्राहियों को ई-केवायसी कराना अनिवार्य है । जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत सम्मिलित शेष रहे हितग्राहियों के ई-केवायसी 30 अप्रैल 2025 तक करने के निर्देश भारत सरकार द्वारा दिये गये हैं। समय-सीमा में सभी पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी न होने पर ई-केवायसी शेष रहने वाले हितग्राहियों को वितरित खाद्यान्न पर भारत सरकार द्वारा अनुदान भुगतान पर रोक लगाया जाना सम्भावित है । एनएफएसए अंतर्गत सम्मिलित शेष सभी पात्र हितग्राहियों के ई-केवायसी समय-सीमा में करने के लिये 30 अप्रैल 2025 तक ई-केवायसी करने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिये शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, संबंधित विकासखण्ड के अंतर्गत संबंधित ग्राम पंचायत सचिव/रोजगार सहायक, संबंधित नगरीय क्षेत्र के वार्डप्रभारी का संयुक्त दल गठित कर कैम्प आयोजित किये जाकर ई-केवायसी का कार्य पूर्ण कराया जा रहा है । जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत सम्मिलित 86 प्रतिशत हितग्राहियों के ई-केवायसी कार्य पूर्ण हो चुके है। शेष रहे हितग्राहियों के ई-केवायसी होना शेष है ।ईकेवायसी के दौरान पीओएस मशीन में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, वृद्धजन व अन्य जिनका बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है, ऐसे हितग्राहियों के साथ ही ऐसे हितग्राही जो अपनी मूल उचित मूल्य दुकान के बाहर मध्यप्रदेश के किसी भी अन्य स्थान में निवासरत हैं या जो हितग्राही अपने कार्य की व्यस्तता के कारण उचित मूल्य दुकान या कैम्पों में उपस्थित नहीं हो सकते हैं ऐसे सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी के लिये शासन द्वारा मेरा ई-केवायसी एप लॉन्च किया गया है, जिसके माध्यम से उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं के अतिरिक्त पात्र हितग्राही भी स्वयं अपने एन्ड्रॉयड मोबाईल फोन के माध्यम से मेरा ईकेवायसी एप को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड कर स्वयं भी एवं परिवार के सदस्यों का भी ई-केवायसी कर सकते हैं ।

जल संरक्षित करने का दिया गया संदेश

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आव्हान पर जिला कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक श्रीमती ललिता कुशरे के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 के अंतर्गत विकासखंड चौरई की ग्राम पंचायत मोरखा में परामर्शदाता संगीता पांडेय, प्रस्फुटन समिति से श्री हरिओम वर्मा के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत दीवार लेखन के माध्यम से आम जनों को जल संरक्षित करने का संदेश दिया गया।

प्रेस एसोशिएशन, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जनर्लिस्ट एवं मराठा समाज ने पहलगाम घटना के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा प्रेस एसोसियेशन, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जनर्लिस्ट छिंदवाड़ा इकाई एवं मराठा समाज के संयुक्त तत्वावधान में पहलगाम घटना के विरोध में कैण्डल मार्च अमित ठेंगे चौक से शहीद स्मारक तक निकाला गया। केंडल मार्च में करीब 100 लोगों ने भाग लिया छिंदवाड़ा प्रेस एसोसिऐशन की ओर से शरद पाठक, अध्यक्ष महेन्द्र राय एवं अन्य पत्रकार इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जनर्लिस्ट की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष गोविंद चौरसिया, जिलाध्यक्ष के.आर. दुबे, मराठा समाज से प्रवीण काटकर एवं अन्य लोग शामिल हुए, कैंडल मार्च में लोगों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद खत्म करो के नारों के साथ मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। एवं केन्द्र सरकार से आतंकवादियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई।

अतिरिक्त कलेक्टर खेमचंद को दी विदाई

प्रेस एसोसिएशन के सदस्य भी मिले

छिंदवाड़ा। अतिरिक्त कलेक्टर खेमचंद बोपचे को आज कलेक्ट्रेट में कलेक्टर शीलेंद्र सहित अधिकारी, कर्मचारियों ने उनके सेवानिवृत्ति होने पर विदाई दी इस अवसर पर प्रेस एसोसिएशन के सदस्य अतिरिक्त कलेक्टर से मिले और उनके कार्यकाल की प्रशंसा की विदाई कार्यक्रम में शामिल हुए।

जय भीम सेना ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मृतक पर्यटकों को शहीद का दर्जा देने एवं उनके परिवारों को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग

छिंदवाड़ा। जय भीम सेना सामाजिक संगठन के संयुक्त तत्वाधान में ओबीसी महासभा, अखिल गोंडवाना महासभा, मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद, किसान मजदूर संघ ने आज पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में महामहिम राष्टपति के नाम ज्ञापन सौंपते समय पाकिस्तान मुर्दावाद, आतंकवाद मुर्दावाद का नारा लगाया और ज्ञापन दिया । जिला जय भीम सेना संठगठन के जिलाध्यक्ष शिवम पहाड़े ने बताया कि एक सभ्य समाज के लिये शर्मशार करने वाली घटना है, और हम पर्यटकों को अपनी ओर से श्रद्धांजली अर्पित करते हुये पीड़ित परिवारों को आश्वासन देते है, कि दुख की घड़ी में संपूर्ण देश और हमारा संगठन भी उनके इस संघर्ष और इस दुख की घड़ी में उनके साथ है । उन्होनें ज्ञापन के माध्यम से निवेदन किया है कि देश के दुश्मनों और सीमा पार से चल रहे पाकिस्तान आतंकवादियों के समस्त कैंपो को तत्काल ध्वस्त किया जावे एवं पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया जाये कि दोबारा इस तरह की घटना घटित करने से पहले उसकी रूह कांप उठे, साथ समस्त संगठनों ने मांग की है कि हमारे देश के निहत्थों की जान लेने वाले आतंकवादियों को तत्काल पकड़कर उन्हे सार्वजनिक फांसी दी जाये, और आतंकवाद के समूल विनाश के लिये निर्णायक कदम उठाए जाएँ एवं मासूमों के खून की हर बूंद का हिसाब लिया जाये। इस घटना में जितने भी पर्यटकों की निर्मम हत्या की गई है उन सभी पर्यटकों को शहीद का दर्जा दिया जावे एवं प्रत्येक परिवार को एक-एक करोड़ रूपये मुआवजा दिया जावे । हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं और भारतीयता हमारी पहचान है। इस अवसर पर मुख्य रूप से शिवम पहाड़े, लोधी विपिन वर्मा, रमेश उइके, शैलेन्द्र (बंटी) मर्सकोले, एड. श्याम शिवहरे, गनपत यदुवंशी, मुनीराज रघुवंशी, राजकुमार खड़से, दिनेश इवनाती, सागर परतेती, रमेश बेले, भगवानदास भारती, बबलू कनोजे, रंजीत रविकर, मेहताप डोले, अरविंद मोहबे, विजय मेहरा, पप्पू मण्डराह, संतोष कुमरे, राजा गुन्हेरे, जयकुमार साहू, विनोद मालवी, बल्लूचंद कवरेती, मोहन भारती, हल्के भारती, अतरू गोंड, संजय बाक्सर आदि सामाजिक संगठन के सैंकड़ों लोग उपस्थित थे ।

सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुति

छिंदवाड़ा। सदाबहार कराओ के ग्रुप छिंदवाड़ा द्वारा पहली बार आयोजित किए गए सदाबहार गीतों के आयोजन में स्थानीय व पड़ोसी सिवनी जिले के गायको ने एक से बढ़कर एक गीत गाकर शानदार समा बांधा। पी जी कॉलेज रोड स्थित नमस्ते स्टूडियो में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त डी.आई.जी. पी. एस. ऊइके एवं विशेष अतिथि डी.एस.पी. एस. ए. एफ . विनेश बघेल, नगर निगम इंजीनियर विवेक चौहान, मोहम्मद रफी एकाडमी के डायरेक्टर मनमोहन सिंह, अपर लोक अभियोजक संगीत श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के पूजन अर्चना, दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से किया गया। ग्रुप के डायरेक्टर दयाराम आतराम एवं असिस्टेंट डायरेक्टर श्रीमती माया आतराम के द्वारा संयोजित इस गीत संगीत भरे कार्यक्रम में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, येशुदाश, मुकेश, लता मंगेशकर, आशा भोसले सहित अन्य गायको के एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किये। इस आयोजन में 20 से लेकर 78 वर्षीय 24 गायक कलाकारों ने अपनी लाजवाब गायकी का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति डीआईजी पी. एस. ऊइके एवं डी.एस.पी (एस.ए.एफ) विनेश बघेल द्वारा प्रस्तुत किए गए शानदार गीत रहे। दयाराम आतराम श्रीमती माया आतराम ,डी .बी .गुरुँग, नारायण ठाकुर,एन. बी. गुरु मनमोहन सिंह, संगीत श्रीवास्तव अधिवक्ता, स्वरूप शरण उईके, सिंगर राकेश चौरसिया, अमित वानखेडे सिवनी, अंजू भलावी सिवनी, आकाश मेश्राम इंस्पेक्टर, विवेक चौहान इंजीनियर ,सुषमा थापा वैशाली कराडे ,अनुरक्ति चौरसिया, नंदकिशोर बेलवंशी , एंकर राकेश चौरसिया, उत्कर्ष बसंत कराडे, प्रेमलता ऊईके सहित अन्य गायको ने शानदार गीतों की प्रस्तुति से समा बांधा। कार्यक्रम के दौरान एकल एवं युगल सहित 55 गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। गीतों के इस कार्यक्रम में सुंदर व प्रभावशाली आधुनिक साउंड व्यवस्था स्वरनाद म्यूजिकल स्टूडियो नागपुर द्वारा की गई। सेवानिवृत्ति डीआईजी पी एस ऊईके ने अपने उद्बोधन में आयोजन की प्रशंसा करते हुए संगीत को साधना का सशक्त मध्य बताया वही डीएसपी विनेश बघेल ने कहा कि गाने गाना या सुनना से हमारी शारीरिक थकान एवं मानसिक तनाव को दूर कर स्वस्थ मनोरंजन प्रदान करता है।

ब्राह्मण समाज ने अक्षय तृतीया पर गुफा मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया पूजन

लव जिहाद समाज के लिए कलंक : सांसद आलोक शर्मा

भोपाल। ब्राह्मण समाज ने बुधवार को अक्षय तृतीया पर गुफा मंदिर स्थित भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा की। इस पूजा-अर्चना में ब्राह्मण समाज के सभी संगठन शामिल हुए। समाज के लोगों ने भगवान परशुराम को नमन कर धन धान्य समृद्धि की कामना करते हुए देश प्रदेश की प्रगति, समाज में सदभाव की कामना की। इस मौके पर भाजपा सांसद आलोक शर्मा लव जिहाद पर जमकर बरसे। सांसद आलोक शर्मा ने लव जिहाद को समाज के लिए कलंक बताते हुए कहा कि इसे रोकने के लिए कदम उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सभी समाज को लव जिहाद को रोकने एकजुट होकर आगे आना होगा। अपने बच्चों को इससे बचने के लिए समझाना होगा। उन्होंने कहा कि लव जिहाद करने वालों के लिए कड़ी से कड़ी सजा देनी होगी। बता दें पांच जून को हिंदू समागम होने जा रहा है इसमें पंडित धीरेन्द्र शास्त्री भोपाल आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सनातनी महिलाओं का गरबा अलग से हो जिससे लव जिहाद करने वालों की इंट्री न हो। भगवान परशुराम की पूजा अर्चना करने वालों में गुफा मंदिर के महंत 1008 श्री राम प्रवेश दास जी महाराज पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी परशुराम बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया महापौर मालती राय डाली शर्मागुफा मंदिर के आचार्य पंडित लेखराज शर्मा वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र शर्मा पंडित वैभव भाटेले पूर्व नगर निगम अध्यक्ष कैलाश मिश्रा शामिल रहे।

धरती पर धर्म की रक्षा और अधर्म के नाश के लिए

परशु धारण कर अवतरित हुए, ब्रह्म तेज से युक्त, पराक्रम के प्रतीक, तप और बलिदान की मूर्ति, अमर अवतार भगवान परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव की समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई। भगवान परशुराम की असीम कृपा से आप सभी के जीवन में सदा विजय, यश, और सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो, यही प्रार्थना है।

अनुपम अग्रवाल

विकास और जनकल्याण को समर्पित मध्यप्रदेश

अक्षय तृतीया एवं परशुराम जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कार्यक्रम

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में 85 लाख से अधिक किसानों को ₹ 1704.94 करोड़

27 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों को ₹ 600 करोड़ का अंतरण

₹ 1870 करोड़ की धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति
श्रीमती सावित्री ठाकुर
राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार

30 अप्रैल, 2025 | अपराह्न 3:00 बजे | उमरबन, जिला धार

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी D-11018-25
सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025